mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-149 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

01 जून 2025 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

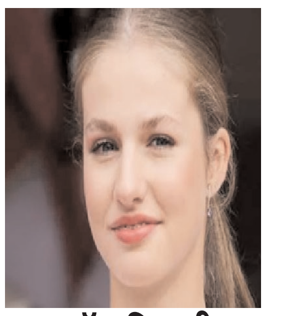

फुटबॉल खिलाड़ी...

@ पेज 7

कौन है इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली? जानिये गिरफ्तारी की वजह

कोलकाता (एजेंसी)। इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली को कोलकाता पुलिस ने हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर कोलकाता ले गई और कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने शर्मिष्ठा पनोली को 13 जून तक न्यायिक हिरासत

● **कोर्ट ने 13 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया**

में भेज दिया। पुलिस ने पूछताछ के लिए रिमांड की मांग की थी जिसे कोर्ट से नामंजूर कर दिया। आरोप है कि शर्मिष्ठा ने ऑपरेशन सिंदूर पर बॉलीवुड कलाकारों की चुप्पी को लेकर इंस्टाग्राम पर एक वीडियो अपलोड किया था। इस वीडियो में बोलते समय उन्होंने एक विशेष धर्म पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। शिकायत मिलने के बाद कोलकाता पुलिस ने मामला दर्ज किया। इसके बाद युवती और उसके परिवार को नोटिस भेजे गए, लेकिन वे फरार हो गए।

इसके बाद कोलकाता के अदालत ने शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। वीडियो अपलोड के बाद युवती को धमकियां मिलने लगीं। विवाद बढ़ता देख शर्मिष्ठा पैनोली ने वीडियो डिलीट कर दिया और इसके लिए माफी भी मांगी। हालांकि, अब कोलकाता पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

कौन है इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली?

शर्मिष्ठा पनोली इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर है। वह पुणे लॉ यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली एक युवती है। शर्मिष्ठा के सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोअर्स हैं। उनमें से एक पाकिस्तान से भी है। इस पाकिस्तानी फॉलोअर ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद शर्मिष्ठा पनोली से सवाल पूछा था। साथ ही वह यूज़र पहलगाम में 24 लोगों की हत्या करने वाले आतंकियों का बचाव कर रहा था। शर्मिष्ठा ने 14 मई 2025 को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर करते हुए उस सवाल का जवाब दिया था। इसी वीडियो में उन्होंने एक विशेष धर्म को लेकर टिप्पणी की थी।

जैसे ही यह वीडियो शेयर हुआ, एक विशेष धर्म के लोगों में आक्रोश फैल गया। पाकिस्तान और भारत के कई मुस्लिम यूज़र्स ने मिलकर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ एफआईआर की मांग की। कुछ यूज़र्स ने तो उन्हें रेप और गर्दन काटने की धमकी तक दे डाली। उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर धमकियों की बाढ़ आ गई। पनोली ने इन धमकियों के स्क्रीनशॉट भी अपने सोशल मीडिया पर शेयर किए। शर्मिष्ठा ने वीडियो अपने अकाउंट से डिलीट करके माफीनामा भी पोस्ट किया था।

शर्मिष्ठा पनोली के वकील मोहम्मद शमीमुद्दीन ने कहा कि हमारी तरफ से कोर्ट को बताया गया कि ऐसी कोई घटना ही नहीं घटी है। यह पूरी तरह झूठा आरोप है। पुलिस उनका फोन और लैपटॉप सीज किया है और जांच चल रहा है कि ऐसा कोई अरेंज्ड वीडियो उसमे है या नहीं। हमारे तरफ से जमानत की अर्जी दी गई थी और पुलिस की तरफ से पुलिस कस्टडी की अर्जी दी गई थी। दोनों ही कोर्ट ने खारिज किया और शर्मिष्ठा को 13 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

संक्षिप्त समाचार

चीन को लेकर अमेरिकी रक्षा मंत्री का बड़ा बयान

सिंगापुर (एजेंसी)। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के सहयोगी देशों को आश्वासन दिया कि चीन के बढ़ते सैन्य और आर्थिक दबाव का सामना उन्हें अकेले नहीं करना पड़ेगा। साथ ही, उन्होंने इन देशों से अपनी रक्षा तैयारियों और खर्च को बढ़ाने की गुज़ारिश की। सिंगापुर में आयोजित शांग्री-ला डायलॉग में अपने मुख्य भाषण में हेगसेथ ने चीन को वास्तविक खतरा बताया, खासकर ताइवान के प्रति उसकी आक्रामक नीतियों को लेकर। चीन ने हेगसेथ के बयानों पर प्रतिक्रिया तो दी लेकिन उसमें खास कड़ा रुख नहीं दिखा। हेगसेथ ने कहा कि चीन की सेना ताइवान पर कब्जे की असली रिहर्सल कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी, हमें इसे छिपाने की जरूरत नहीं है। चीन का खतरा वास्तविक है और यह कभी भी सामने आ सकता है।

चीन ने 2027 तक ताइवान पर सैन्य बल से कब्जा करने की क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा है, हालांकि एक्सपर्ट इसे एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य मानते हैं, न कि युद्ध की निश्चित समय सीमा। इसके अलावा, चीन ने दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीप बनाकर सैन्य चौकियां स्थापित की हैं और हाइपरसोनिक हथियारों व अंतरिक्ष तकनीकों में तेजी से प्रगति की है। इसकी जवाबी कार्रवाई में अमेरिका अपनी अंतरिक्ष-आधारित गोल्डन डोम मिसाइल रक्षा प्रणाली विकसित कर रहा है। हेगसेथ ने चीन की लैटिन अमेरिका में बढ़ती दखलंदाजी, खासकर पनामा नहर पर उसके प्रभाव को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि चीन क्षेत्रीय स्थिरता को बदलने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने इंडो-पैसिफिक देशों से अपील की कि वे अपनी रक्षा पर खर्च को यूरोपीय देशों की तरह सकल घरेलू उत्पाद (त्नष्ठक्क) का 5 प्रतिशत तक बढ़ाएं।

ईरान ने जमा किया परमाणु बम बनाने से ज्यादा यूरेनियम

वियना (एजेंसी)। अमेरिका के साथ चल रही परमाणु वार्ता के दौरान ईरान के बारे में चौंकाने वाली खबर सामने आई है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की एक गोपनीय रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान ने परमाणु हथियार बनाने के लिए संवर्धित यूरेनियम का भंडार और बढ़ा लिया है। इस रिपोर्ट में तेहरान से तुरंत अपना परमाणु इरादा बदलने और एजेंसी की जांच में पूरी तरह सहयोग करने की अपील की गई है। आईएईए की इस रिपोर्ट ने दुनिया भर में खलबली मचा दी है। यह रिपोर्ट

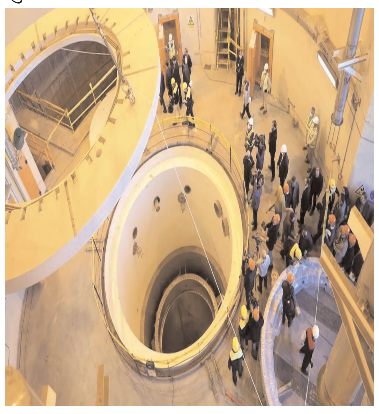

ऐसे समय सामने आई है जब तेहरान और वॉशिंगटन के बीच एक संभावित परमाणु समझौते को लेकर कई दौर की बातचीत चल रही है, जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अंतिम रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। वियना स्थित IAEA द्वारा तैयार की गई इस रिपोर्ट को एसोसिएटेड प्रेस ने देखा है। इसमें बताया गया है कि 17 मई तक ईरान ने 60 प्रतिशत तक संवर्धित 408.6 किलोग्राम यूरेनियम जमा कर लिया है, जो कि हथियार बनाने योग्य स्तर (90 प्रतिशत) से महज एक तकनीकी कदम दूर है। यह रिपोर्ट दोनों देशों के बीच तनाव को बढ़ा सकती है। ईरान तेजी से अपने यूरेनियम संवर्धन को बढ़ा रहा है। इससे पहले फरवरी में जारी पिछली रिपोर्ट में यह मात्रा 274.8 किलोग्राम बताई गई थी, यानी इस बार 133.8 किलोग्राम की बढ़ोतरी हुई है।

सिपाही की हत्या के बाद से नाहल गांव में सन्नाटा, अब तक 57 गिरफ्तार

गाजियाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के नाहल गांव में सिपाही सौरभ की हत्या के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। इस हत्याकांड में शामिल बदमाशों की धरपकड़ के लिए पुलिस ने दिन-रात एक कर दिया है। अब तक 57 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें से 4 को हाफ एनकाउंटर के बाद पकड़ा गया। गांव में डर का ऐसा आलम है कि लोग घरों में ताला जड़कर फरार हो गए हैं, और नाहल गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। 25 मई को नोएडा पुलिस शातिर बदमाश कादिर को पकड़ने गाजियाबाद जिले में पड़ने वाले नाहल गांव पहुंची थी। कादिर ने चंद मिनटों में सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा कर ली। इस भीड़ ने पुलिस टीम को घेर लिया और पथराव शुरू कर दिया। कादिर को छुड़ाने के लिए बदमाशों ने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग की, जिसमें सिपाही सौरभ देशवाल शहीद हो गए और कई अन्य पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। अपराधी को पकड़ने आई पुलिस पर यूं पथराव और एक सिपाही की हत्या की इस वारदात ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। हत्याकांड के बाद पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ जंग छेड़ दी। पुलिस ने 4 बदमाशों आदिल, अब्दुल, इलियास और अबरार को हाफ एनकाउंटर के बाद पकड़ा।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे का आरोप-

'सरकार देश को गुमराह कर रही, करगिल की तरह ऑपरेशन सिंदूर की भी जांच हो'

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर जांच की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने भारत सरकार पर देश को गुमराह करने के आरोप लगाए हैं। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के सिंगापुर में दिए गए बयान का जिक्र करते हुए खरगे ने कहा कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष में भारतीय वायुसेना को नुकसान हुआ है। ऐसे में करगिल कमेटी की तर्ज पर एक इंडिपेंडेंट कमेटी के जरिए ऑपरेशन सिंदूर की जांच कराई जानी चाहिए। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ अनिल चौहान ने सिंगापुर में कहा था कि भारत ने अपनी गलतियों से सीखा और भारतीय सेना पाकिस्तान की सीमा में 300 किलोमीटर अंदर तक हमले करने में सक्षम थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खरगे ने लिखा कि सिंगापुर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के इंटरव्यू के बाद कुछ अहम सवाल सामने आए हैं, जिन्हें पूछा जाना जरूरी है। इसलिए सरकार को तुरंत संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। उन्होंने

आरोप लगाया कि मोदी सरकार देश को गुमराह कर रही है और सेना की वीरता का श्रेय पीएम मोदी ले रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के दावों की हकीकत भी सामने लाने की बात कही। खरगे ने लिखा कि वह भारतीय सेना की बहादुरी और पराक्रम का सम्मान करते हैं, लेकिन इस मामले में जांच जरूरी हैं। 140 करोड़ देशभक्त सच जानने का हक रखते हैं।

खरगे के सवाल: ऑपरेशन सिंदूर की जांच के लिए करगिल की तर्ज पर निष्पक्ष समिति बनाई जानी चाहिए। इससे यह साफ होगा कि ऑपरेशन के लिए सेना कितनी तैयार थी। इस दौरान कितना नुकसान हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने युद्ध विराम कराने के अपने दावे को फिर से दोहराया है। यह शिमला समझौते का सीधा अपमान है। जांच समिति इसकी भी हकीकत सबके सामने लाएगी। क्या भारत और पाकिस्तान अब फिर से एक हो गए हैं? संघर्ष विराम समझौते की शर्तें क्या हैं?

पाकिस्तान नहीं दे पाया विमान गिराने के सबूत: पाकिस्तान ने भारत के छह विमानों को गिराने का दावा किया था। हालांकि, सबूत मांगे जाने पर पाकिस्तान के मंत्री ने कहा था कि सबूत सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। दावा यह भी किया गया था कि पाकिस्तान वायुसेना ने राफेल विमानों को मार गिराया है और भारतीय एयरबेस भी तबाह किए हैं। हालांकि, संघर्ष खत्म होने के बाद पीएम मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उन एयरबेस में गए, जिन्हें तबाह करने का दावा पाकिस्तान ने किया था।

दिल्ली में कोविड के बढ़ते मामलों के बीच पहले मरीज की मौत

दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में एक बार फिर कोरोना वायरस के मामले बढ़ने लगे हैं। दिल्ली में कोविड-19 से पीड़ित 60 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच राष्ट्रीय राजधानी में यह पहली मौत है। आधिकारिक आंकड़ों के

अनुसार, दिल्ली में कोरोना के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 294 है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, 'महिला लैपरोटॉमी के बाद आंतों से संबंधित बीमारी से जूझ रही थी। अचानक वह कोविड-19 से पीड़ित पाई गई।' मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को कहा था दिल्ली में 19 कोविड मरीज अस्पताल में भर्ती हैं, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार सतर्क है और अस्पताल किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार हैं। साथ ही सीएम ने लोगों से घबराने की बजाय सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने लोगों को आश्वासन दिया है कि दिल्ली का स्वास्थ्य सिस्टम पूरी तरह तैयार है, जिसमें बेड, ऑक्सीजन, दवाइयां, और वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई हैं।

महाराष्ट्र सरकार महिलाओं से वसूलेगी लाडकी बहीण योजना के पैसै

राजस्व मंत्री ने बताई वजह

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार की लाडकी बहीण योजना का अनुचित लाभ लेने वाली महिलाओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो चुकी है। सरकारी नौकरी करने वाली जिन महिलाओं ने इस योजना का लाभ लिया है, उनसे वसूली की जाएगी। कई विभागों ने वसूली की कार्रवाई शुरू भी कर दी है। वहीं, अन्य विभाग जल्द ही वसूली शुरू करेंगे। इस मामले में महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सरकारी नौकरी वाली महिलाओं को ऐसा नहीं करना चाहिए था। अब सरकार वसूली जरूर करेगी।

महाराष्ट्र बीजेपी के अध्यक्ष और महाराष्ट्र सरकार के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा ÷सरकारी नौकरी करने वाली महिलाएं जिन्होंने लाडली बहन योजना का लाभ लिया है, उनके खिलाफ कार्रवाई जरूर होगी। कुछ विभागों ने उन पर कार्रवाई शुरू भी कर दी है, प्रशासन वसूली करेगा। अच्छी स्थिति में रहने वालों के लिए योजना नहीं है, जिन लोगों की आर्थिक स्थिति अच्छी है और उन्होंने इस योजना का लाभ लिया है, तो निश्चित तौर पर उन पर कार्रवाई होगी।महाराष्ट्र सरकार के मंत्री ने साफ किया कि यह योजना गरीब परिवारों की महिलाओं के लिए है। इसके जरिए उनकी मूलभूत जरूरतों को पूरा करने की कोशिश की जा रही है। बावनकुले ने कहा कि लाडकी बहीण योजना का लाभ लेने वाली सरकारी कर्मचारियों को ऐसा नहीं करना चाहिए था।

'देवी अहिल्याबाई दृढ़ इच्छा शक्ति प्रतीक'

अहिल्याबाई सशक्तिकरण महासम्मेलन में पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी

मुंबई (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी मध्य प्रदेश के राजधानी भोपाल पहुंचे हैं और यहां देवी अहिल्याबाई सशक्तिकरण महासम्मलेन में भाग लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने कई परियोजनाओं की शुरुआत की। दरअसल आज माता अहिल्याबाई होल्कर की आज जन्मजयंती है। ऐसे में मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस दौरान राज्य के मुख्यमंत्री मोहन भागवत ने पीएम मोदी का आभार व्यक्त किया। चलिए बताते हैं कि पीएम मोदी ने अपने संबोधन में किन बातों का जिक्र किया है।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि 140 करोड़ भारतीयों के लिए ये अवसर प्रेरणा का है। राष्ट्रनिर्माण के लिए हो रहे प्रयासों में अपना योगदान देने का है। अहिल्याबाई होल्कर का नाम सुनते ही मन में श्रद्धा का भाव उमड़ पड़ता है। उनके महान व्यक्तित्व के बारे में बोलने के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। देवी अहिल्याबाई प्रतीक हैं कि जब इच्छा शक्ति होती है, दृढ़ प्रतिज्ञा होती है तो परिस्थितियां कितनी भी विपरीत क्यों ना हों, परिणाम लाकर दिखाया जा सकता है। 250- 300 साल पहले जब देश गुलामी की जंजीरों में जकड़ा था, उस समय ऐसे महान कार्य कर जाना कि आने वाले अनेक पीढ़ियां उसकी चर्चा करें, ये कहना तो आसान है करना आसान नहीं था।

पीएम मोदी ने कहा कि अहिल्याबाई ने प्रभु सेवा और जनसेवा इसे कभी अलग नहीं माना। कहते हैं वे हमेशा शिवलिंग अपने साथ लेकर चलती थीं। उस चुनौतीपूर्ण कालखंड में एक राज्य का नेतृत्व कांटों से भरा ताज था। कोई कल्पना कर सकता है कांटों से भरा ताज पहनने जैसा वो काम लेकिन लोकमाता अहिल्याबाई ने अपने राज्य की समृद्धि को नई दिशा दी। उन्होंने गरीब से गरीब को समर्थ बनाने के लिए काम किया। देवी अहिल्याबाई भारत की विरासत की बहुत बड़ी संरक्षक थीं। जब देश की संस्कृति पर हमारे मंदिरों, हमारे तीर्थस्थलों पर हमले हो रहे थे, तब लोकमाता ने उन्हें संरक्षित करने का बेड़ा उठाया।

पार्कों में प्लास्टिक की बोतल ले जाने पर लगेगा चार्ज

कैबिनेट मीटिंग में लिए गए कई फैसले

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश कैबिनेट की बैठक में प्लास्टिक कचरे पर लगाम लगाने के लिए एक बड़ा और अनोखा फैसला लिया गया है। अब राज्य के कुछ चुनिंदा पार्कों में यदि कोई व्यक्ति प्लास्टिक की बोतल या चिप्स जैसे पैकेट लेकर जाएगा, तो उसे शुल्क देना होगा। यह राशि तभी वापस मिलेगी जब वह उपयोग किए गए प्लास्टिक को पार्क में लगाए गए डस्टबिन में ही फेंकेगा। इस व्यवस्था को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया जाएगा और बाद में सफल होने पर अन्य जगहों पर भी लागू किया जा सकता है।

कैबिनेट मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने बताया कि चार्ज कितना लगेगा अभी यह तय नहीं किया गया है। कुछ विशेष इलाकों में कलेक्शन सेंटर स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जो भी चार्ज लगेगा वह रिफंडेबल होगा। यानी पार्क से बाहर निकलने पर डस्टबिन में फेंकने पर पैसे

वापस कर दिए जाएंगे। कैबिनेट मंत्री ने यह भी बताया कि बैठक में लिए गए अन्य अहम फैसलों में होमगार्ड के 700 पद भरने को मंजूरी दी गई है। इसके तहत अब सरकारी अस्पतालों में निजी सुरक्षा एजेंसियों की जगह होमगार्ड जवान तैनात किए जाएंगे, जिससे न केवल बेहतर सुरक्षा मिलेगी बल्कि युवाओं को रोजगार भी मिलेगा।

कैबिनेट ने दो साल का अनुबंध पूरा कर चुके जिला परिषद कार्डर के 200 पंचायत सचिवों को नियमित करने की भी मंजूरी दी है। पहले इनका वेतन 12 हजार रुपये मासिक था, जिसे बढ़ाकर अब 32 हजार रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा, रेरा (रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी) का कार्यालय शिमला से धर्मशाला स्थानांतरित करने और पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों के लिए नए सिरे से आरक्षण रोस्टर तैयार करने का निर्णय भी लिया गया है। मंत्रिमंडल ने इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी), शिमला और डॉ राजेंद्र प्रसाद राजकीय मेडिकल कॉलेज, टांडा में सीनियर रेजीडेंसी के लिए पात्रता से पहले एक साल की फील्ड पोस्टिंग की अनिवार्य आवश्यकता को वापस लेते हुए स्नातकोत्तर/विशेषज्ञ सेवा (पीजी/एसएस) नीति में संशोधन को मंजूरी दी। यह निर्णय एम्स, चमियाना में अपनाई गई नीति के अनुरूप लिया गया है।

गर्लफ्रेंड के साथ मिलकर फौजी पति ने दिया जहरीला इंजेक्शन

धुले (एजेंसी)। महाराष्ट्र के धुले शहर के देवपुर क्षेत्र में सनसनीखेज घटना सामने आई है, जहां एक फौजी पति ने प्रेमिका के साथ पत्नी को मार डाला। पति ने पत्नी को पहले जहरीला इंजेक्शन दिया इसके बाद सिर पर बेरहमी से वार कर उसकी हत्या कर दी। इस जघन्य हत्या के मामले में पुलिस ने सेना के जवान पति, उसकी प्रेमिका समेत पांच लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह

घटना 10 मई की बताई जा रही है लेकिन जानकारी अब सामने आई है। पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान शारदा उर्फ पूजा कपिल बागुल (उम्र 38 वर्ष) के रूप में की है। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी पति कपिल बागुल (उम्र 43 वर्ष) ने चार अन्य लोगों के साथ मिलकर पूजा को जबरदस्ती पकड़कर उसके हाथ पर पैर में जहरीला इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन देने के बाद पूजा के मुंह से झाग निकलने लगा और वह दर्द से तड़पने लगी। इसके बाद कपिल उसकी मौत तक उसे तड़पता देखता रहा।

स्कूल शिक्षा विभाग की समेकित छात्रवृत्ति योजना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के विद्यालयों में कक्षा-1 से 12 तक पढ़ने वाले विद्यार्थियों को वर्तमान में 6 विभागों की लगभग 20 प्रकार की छात्रवृत्ति शिक्षा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकृत कर विद्यार्थी के खाते में भुगतान किये जाने की व्यवस्था है। राज्य में समग्र सामाजिक सुरक्षा मिशन के अंतर्गत समेकित छात्रवृत्ति योजना वर्ष 2013-14 से लागू की गयी है। इसके क्रियान्वयन के लिये स्कूल शिक्षा विभाग को नोडल विभाग निर्धारित किया गया है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी का नाम समग्र यूनिक आईडी के आधार पर उसके स्कूल के डाइस कोड के साथ मेपिंग कर कक्षा और स्कूलवार नामांकन ऑनलाइन किये जाने का सिस्टम शिक्षा पोर्टल में एनआईसी के माध्यम से तैयार कराया गया है। प्रत्येक छात्र की प्रोफाइल, जिसमें जाति, माता-पिता का व्यवसाय, परिवार की वार्षिक आय, बीपीएल स्टेटस, छात्रावासी स्टेटस, गत वर्ष का परीक्षा परिणाम आदि जानकारियाँ, जो कि छात्रवृत्ति गणना करने के लिये आवश्यक होते हैं, उन्हें ऑनलाइन किया जाता है। इसके आधार पर सिस्टम द्वारा छात्रवृत्ति की गणना कर स्वीकृतकर्ता अधिकारी द्वारा ऑनलाइन छात्रवृत्ति स्वीकृत की जाती है। वर्ष 2022-23 से अनुसूचित जाति-जनजाति केन्द्र प्रवर्तित और राज्य प्री एवं पोस्टमेट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं का क्रियान्वयन जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित एमपीटास पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है। इस वर्ष विभाग ने छात्रवृत्ति वितरण के लिये कैलेण्डर तैयार किया है। इस संबंध में जिला शिक्षाधिकारियों को भी निर्देश जारी किये गये हैं। छात्रवृत्ति के संबंध में जिला शिक्षा, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

टीआईटी कॉलेज के पूर्व डायरेक्टर ने आरोप को बताया निराधार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के चर्चित टीआईटी कॉलेज में सामने आए छेड़छाड़ मामले ने अब नया मोड़ ले लिया है। कॉलेज के पूर्व डायरेक्टर अरुण पांडे ने शुक्रवार को मीडिया के सामने आकर पूरे घटनाक्रम पर अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने आरोपों को पूरी तरह से निराधार बताते हुए कहा कि यह पूरा मामला उनके ऊपर दबाव बनाने की कोशिश का नतीजा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पांडे ने बताया कि जिन छात्राओं ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, उनकी उपस्थिति (अटेंडेंस) काफी कम थी। परीक्षा फॉर्म आगे बढ़वाने के लिए वे बार-बार दबाव बना रही थीं। जब ऐसा नहीं हुआ, तो छात्र संगठनों के जरिए प्रबंधन पर दबाव बनाया गया। इसके बावजूद जब बात नहीं बनी, तो उनके खिलाफ झूठे आरोप लगवा दिए गए। पूर्व डायरेक्टर ने यह भी दावा किया कि उनके पास मजबूत सबूत मौजूद हैं जो यह साबित करते हैं कि लगाए गए आरोप पूरी तरह से गलत हैं। इस मामले में पुलिस ने बताया की तीन छात्राओं ने अपनी शिकायत वापस ले ली है।

जनसेवा ही हमारा संकल्प के तहत ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने की सफाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर जन सेवा ही हमारा संकल्प के तहत सागर ताल रोड ग्वालियर स्थित हथियापोर चौराहा पर सफाई कर्मियों के साथ मिलकर नाले के सफाई कार्य में सहभागी बने। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह केवल एक सफाई अभियान नहीं, बल्कि स्वच्छता, स्वास्थ्य और समर्पण का संदेश है। हमारा उद्देश्य सिर्फ विकास के सपने दिखाना या सिर्फ बातें करना नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर कार्य करना है। उन्होंने दोहराया कि जनता की समस्याओं का समाधान ही हमारी प्राथमिकता हैं। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने आव्हान किया कि आइए हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि स्वच्छता को अपनाएंगे और एक नया स्वस्थ, हरा-भरा, नशा मुक्त समाज बनाएंगे।

प्रधानमंत्री के भोपाल आगमन पर हुआ आत्मीय स्वागत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के भोपाल आगमन पर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री श्री मोदी शनिवार प्रातः 10-40 बजे भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट पर पहुंचे। प्रधानमंत्री श्री मोदी, लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के 300वें जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर जंबूरी मैदान में आयोजित महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शामिल होंगे। स्वागत के समय विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर, खेल एवं सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, विधायक श्री गोपाल भार्गव, विधायक श्री भूपेन्द्र सिंह, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, डीजीपी श्री कैलाश मकवाना, एसीएस श्री संजय दुबे, संभाग आयुक्त भोपाल श्री संजीव सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में लोकमाता देवी अहिल्याबाई पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी इस अवसर पर उपस्थित थे। लोकमाता अहिल्या बाई द्वारा सुशासन, महिला स्वावलंबन, धार्मिक स्थलों के उन्नयन के लिए संचालित गतिविधियों को प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। इसके साथ ही देवी अहिल्या बाई पर केंद्रित पुस्तकें और शोध पत्र भी यहां प्रदर्शित हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने हथकरघा-हस्तशिल्प को समर्पित महिलाओं और ड्रोन दीदी से संवाद किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के लिए जारी गतिविधियों, ग्रामीण आवास योजना, ग्रामीण पर्यटन, कृषि आदि क्षेत्र में महिलाओं द्वारा की जा रही पहल और ग्रामीण व नगरीय निकायों में महिला प्रतिनिधित्व के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रदर्शनी में प्रदेश में अधोसंरचना विकास के अंतर्गत संचालित गतिविधियों, धार्मिक लोकों के विकास, सहित राज्य की अन्य विकासोन्मुखी नवाचारों का भी अवलोकन किया।

शुरुआती बारिश में ही नव निर्मित खेत तालाब हुए लबालब

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जलगंगा संवर्धन अभियान में प्रदेश में अभियान के पहले माह में ही लक्ष्य से अधिक तालाबों का निर्माण हो रहा है। अधिकांश तालाबों का निर्माण हो चुका है अथवा पूर्ण होने ही वाला है। इनके माध्यम से खेतों तालाबों में वर्षा जल करोड़ों लीटर जल सहेजा जाना है। खेत तालाबों के बन जाने से किसानों को सिंचाई के लिए वर्ष भर पर्याप्त पानी उपलब्ध रहेगा, साथ ही भूजल सत्र भी सुधर जाएगा। इन तालाबों के निर्माण से ग्रामीणों को रोजगार भी मिला है। विगत सप्ताह हुई मानसून पूर्व वर्षा ने नव निर्मित और निर्माणाधीन खेत तालाबों को लबालब कर दिया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग नलजल योजना के स्त्रोतों की जियोटैगिंग भी किया जा रहा है। बुरहानपुर में शत प्रतिशत जियोटैगिंग के साथ ही प्रदेश भर में अधिकांश जिलों में जियोटौगिंग का काम पूर्णता की ओर अग्रसर है। अभियान समापन तक जियोटैंगिंर शत प्रतिशत हो जाने की उम्मीद है। जियोटैगिंग का उपयोग जल स्त्रोतों, नल कनेक्शनों और अन्य संबंधित परिसंपत्तियों की सटीक जानकारी को रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता है। इससे जल आपूर्ति के प्रबंधन में मदद मिल सकेगी। गांवों में जल चौपाल, बैठकें, जल कलश यात्रा, जल कर यात्रा, ग्राम रैली निकाल कर जन भागीदारी सुनिश्चित करवाने के प्रयास किया जा रहे है।

अब इमरजेंसी में आए किसी भी मरीज को बिना अटेंड किए नहीं करेंगे रेफर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एम्स भोपाल ने इमरजेंसी विभाग में नो रेफरल पॉलिसी लागू की है। इसके तहत अब इमरजेंसी में आने वाले किसी भी मरीज को बिना अटेंड करे दूसरे अस्पताल के लिए रेफर नहीं किया जाएगा। जिन मरीजों को थोड़ी कम इमजरेंसी है, उन्हें ई-आर ओपीडी (इमरजेंसी ओपीडी) में रखकर तत्काल का इलाज दिया जाएगा। जरूरत पड़ी तो तत्काल संबंधित विभाग के वार्ड में शिफ्ट किया जाएगा। इसके लिए इमरजेंसी एंड ट्रामा में 40 से बढ़ाकर 70 बेड कर दिए गए हैं। अभी इमरजेंसी में मरीज आने के बाद बेड की उपलब्धता के आधार पर उसे अटेंड किया जाता है, नहीं तो उसे सीधे रेफर कर दिया जाता है। एम्स डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने बताया कि अब ओपीडी और आईपीडी में भी किसी को ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पहली बार लाइन लगाने के बाद मरीज को रूटीन फॉलोअप के लिए दोबारा लाइन में लगने की जरूरत नहीं है। उसे संबंधित विभाग में जाकर ही पर्चा बनाकर इलाज कराना होगा। एम्स के पास 1460 बेड में से 1200 बेड का अस्पताल शुरू हो चुका है। इसमें से कुछ बेड कैंसर पीड़ित मरीजों के लिए है।

एम्स ने वन स्टेट वन हेल्थ पॉलिसी के तहत कोड इमरजेंसी नाम का मोबाइल एप जारी किया है। यह एप सडन कार्डियक अरेस्ट जैसी आपात स्थिति में लोगों की जान बचाने में मदद करेगा। इसकी खास बात यह है कि एक बार डाउनलोड करने के बाद इसे चलाने के लिए इंटरनेट की जरूरत नहीं होती। यह एप प्ले स्टोर पर मुफ्त उपलब्ध होगा। एम्स के डायरेक्टर ने बताया कि एप 'वन स्टेट, वन हेल्थ, वन इमरजेंसी' नीति पर आधारित है। इसे आम लोगों और हेल्थ वर्कर्स दोनों के लिए तैयार किया गया है।

5 से 500 तक के स्टांप की किल्लत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में स्टांप की भारी मांग ने पंजीयन विभाग की नींद उड़ा दी है। कोर्ट फीस और नॉन-ज्यूडीशियल स्टांप की इतनी कमी हो गई है कि भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, इंदौर और रीवा जैसे बड़े शहरों से लगातार मांग के पत्र भेजे जा रहे हैं। हालत यह है कि अदालतों में जमानत, नोटिस, शपथ पत्र और सामान्य दस्तावेजों के लिए जरूरी स्टांप भी नहीं मिल पा रहे।

इसे देखते हुए वित्त आयुक्त लक्षकार ने आईजी पंजीयन अमित तोमर को पत्र लिखा है। इस पत्र में मांग संख्या और सप्लाई स्टांप टिकट की जानकारी दी गई है। वहीं बताया गया है कि स्टांप की मांग के हिसाब से सप्लाई नहीं होने के कारण परेश्स्थानी हो रही है। हालांकि स्टांप की प्रिंटिंग नासिक और अन्य शहरों में होती है। वहां से सप्लाई आने में भी देरी होने के कारण यह स्थिति बनी है। जानकारी के अनुसार, आईजी पंजीयन ने ऑनलाइन सिस्टम लागू करने की तैयारी में ऑफलाइन स्टांप प्रिंटिंग के ऑर्डर कम दिए हैं। अब स्थिति यह है कि ट्रेजरी में स्टॉक खत्म है, कोर्ट में सुनवाई रुकी है और लोग ब्लैक में स्टांप खरीदने को मजबूर हैं। भोपाल ट्रेजरी ने 16 दिसंबर 2024 को 10, 50 और 100 रुपए के कुल 65 हजार नॉन-ज्यूडीशियल स्टांप की मांग की। जबलपुर ने 11 दिसंबर को जो मांग भेजी, वह और भी चौंकाने वाली है—10 और 20 रुपए के 5-5 लाख टिकट, 500-500 रुपए के कोर्ट फीस स्टांप, और 2-10-200 रुपए की कोर्ट फीस की लाखों शीट। इंदौर ने 12 दिसंबर को जो डिमांड भेजी, उसने तो सभी को चौंका दिया। 100 रुपए के 50 लाख और 50 रुपए के 15 लाख स्टांप टिकट एक साथ मांगे गए। यानी एक छोटे जिले से 65 लाख टिकटों की एकमुश्त मांग की है। उज्जैन ने 1/80 और 2/80 की कॉपिंग कोर्ट फीस के 40 हजार शीट और 65 हजार कोर्ट फीस स्टांप की मांग की। वहीं रीवा ने 50 रुपए के 9 लाख और 100 रुपए के 6 लाख स्टांप की मांग दो अलग-अलग पत्रों में की।

आउटसोर्स कर्मचारियों को मिलेगा न्यूनतम वेतन व 11 माह का एरियर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के आउटसोर्स कर्मचारी को जल्द ही बढ़ाया गया न्यूनतम वेतन और 11 महीने का एरियर मिलेगा। मंत्रालय में 2 दिन पहले कर्मचारी समूह द्वारा आयोजित किए गए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने कर्मचारियों ने यह मांग उठाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा, किसी भी कर्मचारी को छोटा-बड़ा न समझा जाए। सभी को परिवार की तरह देखा जाए। आने वाले समय में सभी कर्मचारियों के लिए योजनाएं कई लाई जाएंगी। आउटसोर्स कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष गुलशन मंसूरी ने बताया, मुख्यमंत्री के उज्जैन आगमन पर संघ उन्हें सम्मानित ?करेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस-2025 कार्यक्रम श्रृंखला में प्रकृति से कराया रूबरू

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। विश्व पर्यावरण दिवस-2025 कार्यक्रम श्रृंखला के अंतर्गत पर्यावरण नियोजन समन्वय संगठन द्वारा एकांत पार्क भोपाल में पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत ईको क्लब विद्यालय, महाविद्यालय, बाल देखरेख संस्थाएँ और जन-मानस के लिये प्रकृति भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 52 प्रतिभागी शामिल हुए। वनस्पति विशेषज्ञ एवं पर्यावरणविद् डॉ. सुदेश वाघमारे ने प्रतिभागियों को एकांत पार्क में स्थित विभिन्न प्रजातियों के फलदार एवं औषीधीय पौधों के बारे में जानकारी दी और इन वनस्पतियों में रहने वाले जीव-जंतु एवं पक्षियों के बारे में भी बताया। विशेषज्ञ द्वारा बताया गया कि शहर के बीचो-बीच स्थित इस उद्यान को कुछ इस तरह से विकसित किया गया है कि पार्क में प्रवेश करने के बाद जंगल में घूमने का अहसास होता है। इसे सिटी फॉरेस्ट भी कहा जाता है। यहाँ पर फलदार और औषधीय पौधों के साथ ही बड़े पैमाने पर बाँस के पेड़ भी लगे हैं।

वन मण्डल द्वारा इन पेड़-पौधों पर नम्बर के साथ क्यूआर कोड भी डाले गये हैं। इस कोड को स्केन करने से पेड़ से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वृक्षों पर निर्भर रहने वाले जीव-जंतु, कीट-पतंगे तथा पक्षियों के पारिस्थितिकीय संतुलन एवं पर्यावरण संरक्षण की भूमिका के बारे में भी जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में पर्यावरण से संबंधित प्रतिभागियों को शपथ दिलायी गयी और एप्को द्वारा रिसाइकल पेपर से निर्मित संसाधन सामग्री उपलब्ध करायी गयी तथा प्रमाण-पत्र वितरित किये गये।

आंगनवाड़ी केन्द्रों में 1 से 15 जून तक 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन अवकाश

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के आंगनवाड़ी केन्द्रों में आगामी 1 से 15 जून तक 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया है। यह अवकाश केन्द्रों में नियमित रूप से आने वाले 3 से 6 आयु वर्ग के बच्चों एवं अन्य हितग्राहियों के लिए होगा।आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका की उपस्थिति इस अवधि में अनिवार्य रहेगी। महिला बाल विकास विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, यह अवधि आंगनवाड़ी केन्द्रों के रख-रखाव, दस्तावेज संधारण, वार्षिक सर्वेक्षण तथा पोषण संबंधित गतिविधियों के लिए निर्धारित की गई है। इस दौरान केन्द्रों में बच्चों के लिए नाश्ता एवं गर्म पका भोजन के स्थान पर रेडी टू ईट भोज्य पदार्थ महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा वितरित किया जाएगा। केन्द्रों की साफ-सफाई और मरम्मत- भवन की सफाई, खेल सामग्री की व्यवस्था, रसोई व शौचालय की मरम्मत तथा पेयजल की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।इसके अतिरिक्त रिकॉर्ड संधारण का कार्य किया जाएगा ।सम्पूर्ण उपकरणों एवं फर्नीचर का स्टॉक पंजीकरण, टेक होम राशन वितरण का विवरण, संपर्क एप्लिकेशन में डाटा अपलोडिंग की जायेगी।इस अवधि में वार्षिक सर्वेक्षण भी किया जाएगा ।एक से 10 जून तक परिवार सर्वेक्षण एवं हितग्राही पहचान की जाएगी, जबकि 10 से 15 जून के मध्य अधिकारियों द्वारा समीक्षा की जाएगी। पोषण वाटिका की तैयारी- बाउंड्रीवॉल युक्त केन्द्रों और कुपोषित बच्चों के घरों में पोषण वाटिका हेतु क्यारियाँ तैयार की जाएंगी। बीज व पौधों की व्यवस्था हेतु पंचायत से समन्वय किया जाएगा। स्वास्थ्य और पोषण परामर्श- टीकाकरण, कार्यक्रम की निगरानी, पोषण परामर्श और गृह भेंट के माध्यम से कुपोषित बच्चों एवं महिलाओं तक सेवाएँ पहुंचाई जाएंगी। बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षकगण इस अवधि में दूरस्थ व सहयोग की आवश्यकता वाले केन्द्रों पर विशेष ध्यान देते हुए निरंतर निगरानी करेंगे।

120 शव वाहन कर रहे हैं एप्रूवल मिलने का इंतजार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में अस्पताल से घर तक शव ले जाने के लिए सरकार ने मुफ्त शव वाहन सेवा शुरू करने की घोषणा की थी। लेकिन हकीकत यह है कि यह सेवा अभी फाइलों में ही अटकी हुई है। योजना के मुताबिक, 24 मार्च को टेंडर मिलने के 30 दिन के भीतर सेवा लॉन्च होनी थी। लेकिन 42 दिन बीत चुके हैं और लोग अब भी इंतजार कर रहे हैं। इसके पीछे मुख्य कारण यह बताया जा रहा है कि सेवा के संचालन के लिए तय किए गए 1080 हेल्पलाइन नंबर को अभी तक डिपार्टमेंट ऑफ टेली-कम्युनिकेशन से अप्रूवल नहीं मिला है। इस मामले में एनएचएम के अपर मिशन संचालक मनोज सरियाम का कहना है कि हमारी टेली कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट से लगातार बात चल रही है। जल्द ही अप्रूवल मिल जाएगा। इधर, इस सेवा के शुरू होने में करीब एक माह का समय और लग सकता है। बता दें कि शुरुआत में यह सेवा केवल आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के लिए थी। सरकार इसे आम मरीजों के परिजनों तक भी बढ़ाने की तैयारी कर रही है। लेकिन मौजूदा हालात में किसी के लिए भी सुविधा उपलब्ध नहीं है।

मप्र को 2 माह में 3 नई ट्रेनें, इनमें 1 भोपाल में भी रुकेगी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के रेल नेटवर्क को अगले दो महीने में तीन नई ट्रेनों का तोहफा मिलने जा रहा है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए इसकी जानकारी दी। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी वर्चुअल रूप से जुड़े। पहली ट्रेन ग्वालियर से बेंगलुरु तक चलेंगी। इसका स्टॉपेज भोपाल में भी होगा। लंबे समय से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया इस ट्रेन की मांग कर रहे थे। दूसरी ट्रेन रीवा से पुणे तक चलेगी। तीसरी ट्रेन जबलपुर से रायपुर के बीच चलेगी। इससे रायपुर-जबलपुर की दूरी 103 किमी कम होकर 411 किमी रह जाएगी। यात्रियों का दो घंटे का समय बचेगा। वैष्णव ने बताया कि गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन को ब्रॉडगेज में बदलने के बाद इस क्षेत्र में विकास की रफ्तार बढ़ी है। गोंदिया से जबलपुर के बीच दूसरी रेल लाइन भी प्रस्तावित है। इससे दक्षिण भारत की ट्रेनें नागपुर की बजाय चंद्रपुर-वर्धा से गोंदिया होकर जबलपुर और फिर यूपी-बिहार जा सकेंगी। राज्य के महत्वपूर्ण रेल प्रोजेक्ट्स की जानकारी भी दी - रेल मंत्री ने मध्यप्रदेश से जुड़े 5 बड़े रेल प्रोजेक्ट्स का जिक्र भी किया जो बजट में घोषित हो चुके हैं।

सतना को मिली हवाई उडान की सुविधा, विकास को मिलेगी रफ्तार

प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअल माध्यम से किया सतना एयरपोर्ट का लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जम्बूरी मैदान भोपाल में आयोजित लोकमाता देवी अहिल्या बाई महिला सशक्तीकरण महासम्मेलन के अवसर पर वर्चुअल माध्यम से सतना एयरपोर्ट का लोकार्पण किया। सतना को हवाई उडान की सुविधा मिलने से क्षेत्र के औद्योगिक विकास, पर्यटन, चिकित्सा एवं आर्थिक समृद्धि को बढावा मिलेगा।

सतना एयरपोर्ट के लोकार्पण अवसर पर सतना में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में केन्द्र सरकार के नागरिक उडड्यन एवं विमानन राज्यमंत्री श्री मुरलीधर मोहोल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उडान योजना के माध्यम से आने वाले समय में हवाई अड्डों की संख्या 200 तक बढाई जायेगी और विकसित भारत बनने तक देश में कुल हवाई अड्डों की संख्या 400 के लगभग हो जायेगी। उन्होंने कहा कि उडान योजना अगले 10 साल तक रि यान्वित रहेगी। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग (स्वतंत्र प्रभार) राज्यमंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश के सतना और दतिया धार्मिक महत्व के शहर को प्रधानमंत्री ने हवाई उडान की सौगात दी है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा यह वर्ष महिला सशक्तीकरण को समर्पित किया गया है। इस मौके पर सतना सांसद गणेश सिंह, विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, रामपुर बघेलान विक्रम सिंह, महापौर योगेश ताम्रकार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह परिहार, स्पीकर नगर निगम राजेश चतुर्वेदी, जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, पूर्व विधायक शंकरलाल तिवारी, मेम्बर ऑफ प्लानिंग कमेटी अनिल कुमार गुप्ता, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना भी मंचासीन रहे।

सतना के नवनिर्मित एयरपोर्ट में आयोजित स्थानीय लोकार्पण कार्यक्रम का शुभारंभ केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री मुरलीधर मोहोल ने दीप प्रज्जवलन कर किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री ने कहा कि विंध्य की धरती में मां शारदा देवी की नगरी तथा प्रभु श्री राम की वन स्थली से जुडे सतना में एयरपोर्ट का लोकार्पण जनआकांक्षाओं के पूरे होने और भविष्य की संभावनाओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई की जयंती का 300 वर्ष मनाया जा रहा है। उन्होंने कुशल प्रशासन के साथ ही शिक्षा, पेयजल, विकास, आध्यात्म सहित अन्य गतिविधियों से समाज को सशक्त बनाने का कार्य किया। राज्यमंत्री ने कहा कि देवी अहिल्याबाई की जन्म भूमि महाराष्ट्र और कर्मभूमि मध्यप्रदेश रही है। लेकिन उन्होंने सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से पूरे देश को जोडने का काम किया।

उडान योजना अगले दस वर्षो तक क्रियान्वित रहेगी- केन्द्रीय राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल: राज्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की जनता के लिए आज का दिन आनंददायी क्षण है। जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता और उनके कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश के चतुर्दिक विकास का सपना साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के पूर्वोत्तर क्षेत्र का सतना जिला आध्यात्मिक ऊर्जा से भरा हुआ देश की सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।

सतना का यह एयरपोर्ट औद्योगिक विकास, रोजगार, चिकित्सा, पर्यटन सुविधाओं के साथ आर्थिक समृद्धि को बढावा देगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में पिछले 11 सालों में देश के हर क्षेत्र में प्रगति से क्रांतिकारी बदलाव हुए है। देश में वर्ष 2014 के पहले मात्र 74 एयरपोर्ट थे। इन वर्षो में एयरपोर्ट की संख्या 160 तक पहुंच गई है। सतना का एयरपोर्ट 160 एयरपोर्ट है। प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुरूप उडान योजना के माध्यम से देश के प्रमुख शहरों को हवाई सेवा से जोडा जा रहा है।

अब हवाई चप्पल पहनने वाले गरीब व्यक्ति भी हवाई सफ़र की सुविधा ले सकेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की डबल इंजन सरकार विकास के नये आयाम लिख रही है। उन्होंने कहा कि सतना की जनता को विश्वास दिलाता हूं कि सतना एयरपोर्ट में नाइट लैंडिंग सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं के विकास के लिए नागरिक विमानन मंत्रालय द्वारा सकारात्मक विचार कर कार्य किये जायेंगे।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300 वां जन्म जयंती वर्ष महिला सषक्तीकरण को समर्पित- राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल

मध्यप्रदेश के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिलीप जायसवाल ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जन्म जयंती वर्ष को राज्य सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण के रूप में मनाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के कुशल नेतृत्व में रेल, सडक, हवाई सेवा सहित सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास कार्य हो रहे है।

मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री के विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश की सीमाओं को सुरक्षित किया गया है। वही पडोसी देश की कायराना हरकत का मुंहतोड जबाब भी हमारी सेना ने दिया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की मध्यप्रदेश सरकार ने तेज गति से रेल, सडक, हवाई सेवा, मेडीकल कॉलेज, शिक्षा, पीएमश्री विद्यालय, संदीपनी स्कूल सहित सभी क्षेत्रों में तेजी से कार्य किये हैं।

सांसद सतना श्री गणेश सिंह ने सतना जिले को हवाई सेवा प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री श्री मुरलीधर मोहोल, प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सतना के एयरपोर्ट लोकार्पण के साथ ही यह क्षेत्र भी देश के हवाई सेवा के मानचित्र में अंकित हो गया है। उन्होंने कहा कि सतना विंध्य क्षेत्र का औद्योगिक जिला है। इस हवाई अड्डे को देश के बडे एयरपोर्ट से जोडने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी की मंशा हवाई चप्पल पहनने वाले आम मजदूर और नागरिक भी हवाई सेवा का लाभ उठाये, इसी के दृष्टिगत सतना एयरपोर्ट से प्रारंभ हो रही हवाई सेवा की पहली उडान में 7 अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिलायें इस सेवा का लाभ ले रही है।

सांसद ने कहा कि वर्ष 2014 के पूर्व देश में कुल 74 एयरपोर्ट थे। जिनकी संख्या बढकर 160 हो गई है। उन्होंने बताया कि सतना का हवाई अड्डा भारत-चीन युद्ध के दौरान 1962 में बना हुआ था। जिससे डीजीसीए की मान्यता नहीं होने से यहां से उडान सेवायें नहीं शुरू की गई थी। डीजीसीए की मान्यता मिलने के बाद अब इस सर्वसुविधायुक्त एयरपोर्ट से हवाई उडान की नियमित सेवा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे की भूमि पर 157 एकड भूमि में अतिक्रमण है। एयरपोर्ट एथारिटी द्वारा शीघ्र भूमि वापस लेकर रनवे का विस्तार करेगा और यहां से यात्रियों की उपलब्धता के अनुरूप 19 सीटर विमान की नियमित सेवायें शुरू की जायेगी। महापौर योगेश ताम्रकार ने कहा कि सतना से इसके पूर्व भी दो बार हवाई सेवायें शुरू की गई थी। सतना एयरपोर्ट में 19 सीटर विमान के लिए रनवे का विस्तार किया जाना आवश्यक होगा। उन्होंने कहा कि अब विस्तृत रूप से सतना एयरपोर्ट से हवाई सुविधा मिलने पर भोपाल और इन्दौर की कनेक्टविटी बढेगी। महापौर ने विमान की टाइमिंग और किराया अनुकूल स्वरूप में निर्धारित करने की मांग की।

इसके पूर्व सतना एयरपोर्ट के लोकार्पण अवसर पर एयरक्राफ्ट फ्लाई ओला की कैप्टन मोहिंदर कौर और कोआर्डिनेट डॉ. मोनिका का अभिनंदन किया गया और पहली बार उडान पर जाने वाली महिला यात्री ग्राम कैमा सोहावल की छोटी बाई कोल, नगर पंचायत कोठी की पार्षद बूटी कोल, सतना बदखर वार्ड नम्बर 12 की संगीता कोल, रामपुर बघेलान की ग्राम मगरवार की सुमित्रा आदिवासी, मैहर ग्राम लखवार वार्ड नम्बर 23 की रितु कोल, माधवगढ सरिया टोला की मैना देवी कोल और धवारी वार्ड नम्बर 31 की भूरी बाई कोल को बोर्डिंग पास प्रदान किये गये।

अहिल्याबाई की जयंती पर 6 महिलाओं का किया सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना एयरपोर्ट पर लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित महिला सशक्तीकरण के कार्यक्रम में केन्द्रीय विमानन राज्यमंत्री श्री मुरलीधर मोहोल और कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने सतना जिले की विभिन्न की सेवाओं में उल्लेखनीय कार्य के लिए 6 महिलाओं को सम्मानित किया।

इनमें नागौद जनपद की सितपुरा निवासी सुश्री नीतू सिंह को स्व सहायता समूह के माध्यम से 500 से भी अधिक महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण देने, सोहावल विकासखण्ड की करही कोठार गांव की श्रीमती कमला चौधरी को बैंक सखी के रूप में कार्य करने तथा महिलाओं को स्वरोजगार प्रशिक्षण देने, रामपुर बघेलान की खैरा निवासी श्रीमती आशा अहिरवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 57 स्व-सहायता समूह को 1 करोड 93 लाख की राशि बैंक के माध्यम से दिलाने के उल्लेखनीय कार्य हेतु सम्मानित किया गया।

इसी प्रकार से उचेहरा विकासखण्ड की गडौली निवासी अर्चना दुबे को आचार, बडी, पापड, मुरब्बा, बर्फी का स्वरोजगार शुरू कर अन्य महिलाओं को रोजगार देने, नागौद विकासखण्ड की सरपंच जसो निशा कुशवाहा को स्वच्छ भारत मिशन और वृक्षारोपण के कार्यक्रम में उल्लेखनीय कार्य के लिए तथा नगर निगम क्षेत्र की श्रीमती नुसरत सीरी को 150 समूहों का गठन कर शहरी पथ विर ताओं के आर्थिक संवर्धन के लिए 4370 हितग्राहियों को बैंकों के माध्यम से 13 करोड 11 लाख रूपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में मदद के लिए सम्मानित किया गया।

विश्व तम्बाखू निषेध दिवस पर मड़वास में कार्यक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रतिवर्ष 31 मई को पूरी दुनिया मे तम्बाखू व तम्बाखू के उत्पाद के दुष्पपरिणामो के बारे में आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से ''विश्व तम्बाखू निषेध दिवस'' के रूप में मनाया जाता है। इसी तारतम्य में मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय मड़वास में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आई.पी.अ प्रजापति ने तम्बाखू से होने वाले विभिन्न रोगों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में तम्बाखू खाना सीधी जिले की एक परंपरा बन गई थी जिसे रोकने के लिए शिक्षित होना प्रभावशील दिखाई दे रहा है। आशा ही नही विश्वास है कि एक दिन सीधी जिला तम्बाखू मुक्त होगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. दीपक अग्निहोत्री, डॉ पंकज मिश्रा, डॉ. संगीता मिश्रा, डॉ. निशा सिंह, डॉ. लक्ष्मीकांत कुशवाहा, डॉ. ज्योति रजक, डॉ. सुरेंद्र गुप्ता प्रो.प्रवीण कुमार, प्रो.बाबा हरिनन्द श्री अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र/छात्रा उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस सीधी में मनाया गया 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस'

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी में शनिवार दिनांक 31 मई 2025 को "विश्व तंबाकू निषेध दिवस'' के अवसर पर एक जागरूकता कार्यर म का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.पी.के.सिंह के निर्देशन में किया गया। इस वर्ष की थीम "तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से युवाओं की रक्षा" के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और समुदाय को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूक करना और तंबाकू मुक्त समाज की स्थापना को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं छात्र -छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. के. सिंह ने अपने उदबोधन में कहा कि युवा हमारे देश का भविष्य हैं। तंबाकू के खिलाफ जागरूकता और इसके उपयोग को रोकना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। संजय गांधी महाविद्यालय तंबाकू मुक्त परिसर को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मैं महाविद्यालय के विद्यार्थियों से यह अपील करता हूँ कि तंबाकू के उपयोग के खिलाफ एकजुट होकर जागरूकता फैलाएँ और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाएँ। यह आयोजन तंबाकू मुक्त समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. अनिल सिंह विभागाध्यक्ष अंग्रेजी एवं आर. बी. एस. चौहान विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र के द्वारा तंबाकू के दुष्प्रभावों, विशेष रूप से युवाओं पर इसके नकारात्मक प्रभाव और तंबाकू उद्योग की भ्रामक रणनीतियों पर प्रकाश डाला गया। साथ ही तंबाकू से होने वाली बीमारियों जैसे कैंसर, हृदय रोग, और फेफड़ों की समस्याओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित छात्रों और शिक्षकों ने तंबाकू और निकोटीन उत्पादों से दूर रहने की शपथ ली।

तम्बाकू का सेवन नहीं करने की दिलाई गई शपथ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बबिता खरे अध्यक्षता मे सभी अधिकारियो एवं कर्मचारियों द्वारा तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर तम्बाकू उत्पाद का सेवन नहीं करने की शपथ ली गई शपथ का वाचन डॉ स्वाती सिंह नोडल अधिकारी द्वारा किया गया जिसमे बताया गया कि हमें अपने घर और अपने कार्यस्थल को तम्बाकू मुक्त रखने एवं समाज को भी ऐसा करने के लिये प्रेरित करना है।

तम्बाकू शारीरिक एवं मानसिक रूप से मनुष्य को अस्वस्थ करता है एवं कैंसर नामक बीमारी को आमंत्रण देता है इसलिए हमें अपने परिवार जनो मित्रो को भी तम्बाकू उत्पाद के हानिकारक प्रभाव के बारे मे सदैव जागरूक करना है और उन्हें तम्बाकू से दूर रहने के लिये प्रेरित करना है। ताकि हम भारत को महान राष्ट्र बनाने मे अपनी महवपूर्ण भूमिका निभा सके। उन्होंने तंबाकू निषेध दिवस 31 मई पर विशेष जानकारी देते हुए बताया कि संपूर्ण विश्व में तंबाकू व तंबाकू जनित उत्पादों को बहुतायत परिवारों में एक आवश्यक सामग्री के रूप में उपयोग में लाया जाता है। सुखद पहलू यह है कि लोगों को तंबाकू के दुष्प्रभाव के बारे में उन्हें जानकारी है जैसे कि तंबाकू के सेवन से कैंसर व अन्य जानलेवा बीमारी होने की संभावना होती है।

मुख द्वारा तंबाकू के सेवन से मुख, जीभ, गले, आहार नली, पेट, पेनरि याज में वहीं धूम्रपान के माध्यम से फेफड़ा, पेशाब की थैली, किडनी, महिलाओं में बच्चेदानी के मुख, पुरुषों में प्रोस्टेट का कैंसर की संभावना होती है। कैंसर के अतिरिक्त तंबाकू के उपयोग से हार्ट अटैक, पेट में अल्सर, पैर में गैंग्रीन, स्वसन रोग या दमा जैसे लक्षण, लकवा, ओस्टियोपोरोसिस, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, मानसिक रोग, डिप्रेशन, टीबी रोग, शीघ्र बुढ़ापा का होना, नपुंसकता, दांतों का सड़न व मुख का न खुलना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। प्रतिवर्ष 31 मई को पूरी दुनिया में तंबाकू व उत्पाद के दुष्परिणामों के बारे में आम जन को जागरूक करने के उद्देश्य से ष्विश्व तंबाकू निषेध दिवसष् के रूप में मनाया जाता है।

प्रेरणा ने जन्मदिन पर रक्तदान कर दिया मानवता का संदेश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अपने जन्मदिन पर मानव सेवार्थ शहर के अनेक रक्तवीर रक्तदान कर न केवल अपना जन्मदिन मनाते हैं बल्कि साथ साथ दूसरों के जीवन मे भी खुशियाँ बिखेरने मे पीछे नहीं रहते इन्ही मे से एक है श्रीमती प्रेरणा जादवानी जी जो अपनी बेटी के जन्मदिन के साथ-साथ अपना जन्मदिन भी रक्तदान कर मनाती है प्रेरणा ने 29 मई गुरुवार को अपना 40 वा जन्मदिन रक्तदान कर मनाते हुए मानवता का संदेश दिया। सिन्धू विकास समिति के अध्यक्ष एवं रक्तदाताओं को प्रेरित करने वाले विनोद गेलानी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर अमित जादवानी,राखी होतचंदानी,मोना चोपड़ा,सुनीता सचदेवा,प्रयांश सचदेवा,मनीष सदानी,बंसी नागदेव,सागर जसवानी,आकाश बनर्जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे

हनुमानगढ़ में विकसित कृषि संकल्प यात्रा में सांसद ने की सहभागिता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। किसानों को कृषि की नवीन तकनीकी से अवगत कराने तथा कृषि के क्षेत्र में किए गए नवाचारों के प्रचार प्रसार के उद्देश्य के साथ जिले में विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के रामपुर नैकिन विकासखंड के हनुमानगढ़ में आयोजित शिविर में सांसद डॉ राजेश मिश्रा द्वारा सहभागिता की गई।

सांसद डॉ मिश्रा ने कृषि में उन्नत तकनीक को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही जैविक तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। सांसद ने विकसित कृषि संकल्प अभियान में अधिक से अधिक किसानों से भाग लेने की अपील की तथा किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया।

सांसद डॉ मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मंशानुरूप कृषकों से प्रत्यक्ष जुड़ाव तथा संवाद के माध्यम से देश के कृषि और किसान को सम्पन्न बनाने यह अभियान चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में यह अभियान निश्चित तौर पर किसानों के लिए वरदान साबित होगा। किसान भाई इसका लाभ आगे बढ़कर लें। सीधी जिला की आजीविका मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है।

इस अभियान का लाभ लेकर किसान भाई अपने उत्पादन को बढ़ा सकते हैं तथा लागत को घटाकर अपनी आय को दुगुनी कर सकते हैं। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि इस अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करना तथा कृषकों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करें। स्थानीय कृषि-जलवायु, मृदा की गुणवत्ता, पोषक तत्वों की स्थिति, बीज चयन, उर्वरक उपयोग और कीट प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर किसानों को वैज्ञानिक सलाह दें तथा किसानों की समस्याओं को समझकर समाधान की दिशा में कार्य करें।

उप संचालक कृषि संजय श्रीवास्तव द्वारा भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकसित कृषि संकल्प अभियान के उद्देश्यों एवं केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई, ड्रोन का महत्व पर तथा प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने कृषकों को नवीन तकनीक नवाचार एवं उन्नत खेती के बारे में विस्तार से बताया। प्रगतिशील कृषक डॉ विपिन शुक्ला ने कृषि में नवीन तकनीकी को अपनाने पर जोर दिया। इस कार्यक्र म में आसपास के गांव के कृषकों ने भाग लिया।

कार्यक्र म में सरपंच श्रीमती प्रभा तिवारी, डॉ. देवेंद्र त्रिपाठी, श्री बुद्धसेन साहू, श्री भानू पाण्डेय, श्री नारायण तिवारी, प्रगतिशील कृषक डॉ.विपिन शुक्ला एवं अन्य जन प्रतिनिधिगण के साथ वैज्ञानिक डॉ. ए श्रीवास्तव, डॉ अमृता तिवारी, सहायक संचालक उद्यान श्री मंगल सिंह, सहायक संचालक मत्स्य श्री दीपक शुक्ला, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री कौल एवं सहयोगी विभाग के मैदानी अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म. प्र.)

क्रमांक 1979/न.पा.नि./राजस्व/2024-25 रीवा, दिनांक 30/05/2025

अचल सम्पत्ति नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व नगर सुधारन्यास रीवा की व्यावसायिक योजना व्यंकट बाजार रीवा जो नगर पालिक निगम रीवा के स्वामित्व में है, में स्थित दुकान क्रमाक 44 क्षेत्रफल 14.355 वर्गमीटर श्री शिवेन्द्र सिंह पटेल पिता श्री रामनाथ सिंह पटेल को किराया पर आवंटित है. इनकी मृत्यु पश्चात इस दुकान का नामान्तरण श्रीमती चन्द्रकली सिंह पति स्व. श्री शिवेन्द्र सिंह निवासी म.नं. 13/31 मानस नगर बरा, हुजूर रीवा मध्यप्रदेश के नाम किये जाने हेतु दिनांक 14.10.2024 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त दुकान क्रमांक 44 के नामान्तरण में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो, तो समाचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात् कोई आवेदन/आपत्ति न तो ग्रहण की जावेगी और न ही मान्य की जावेगी। तत्पश्चात् आवेदिका के आवेदन अनुसार उक्त दुकान क्रमांक 44 का नामान्तरण श्रीमती चन्द्रकली सिंह पति स्व. श्री शिवेन्द्र सिंह निवासी म.नं. 13/31 मानस नगर बरा, हुजूर रीवा मध्यप्रदेश के नाम करने की कार्यवाही की जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व)
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

विचार

पैसिव स्मोकिंग भी बन रही है मौत का कारण

बचपन से ही हम पढ़ते-सुनते आए हैं कि धूम्रपान तथा तंबाकू उत्पाद स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं और शरीर में कैंसर तथा कई अन्य बीमारियों को जन्म देते हैं लेकिन यह जानने-समझने के बाद भी जब हम अपने आसपास किशोरवय बच्चों को भी धूम्रपान करते और विभिन्न तंबाकू उत्पादों का सेवन करते देखते हैं तो स्थिति काफी चिंताजनक प्रतीत होती है। दरअसल ऐसे किशोरों के मनोमस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद ऐसे व्यक्ति समझना ही नहीं चाहते कि धूम्रपान करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत नहीं पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली हनुमान की भांति समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान एक ऐसा धीमा जहर है, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटता है। धूम्रपान शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनता है। तम्बाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 31 मई को 'विश्व तम्बाकू निषेध दिवस' मनाया जाता है, जो इस वर्ष तंबाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों से भविष्य की पीढ़ियों की रक्षा करने के उद्देश्य से 'अपील का पर्दाफाश- तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना' थीम के साथ मनाया जा रहा है। एक ओर जहां विकासशील देशों में धूम्रपान का प्रचलन बढ़ रहा है, वहीं अमेरिका सरीखे कुछ विकसित देशों में धूम्रपान के प्रचलन में तेजी से गिरावट आई है। 1965 में अमेरिका की 42 फीसदी आबादी धूम्रपान की आदी थी जबकि 1991 में यह संख्या घटकर 26 फीसदी रह गई और पिछले डेढ़ दशक में तो वहां धूम्रपान करने वालों की संख्या में और भी तेजी से गिरावट आई है। गहराई में जाने पर पता चलता है कि अमेरिका में सिगरेट की खपत में लगातार कमी आने की वजह से अमेरिका की सिगरेट कम्पनियों ने अपने घाटे की पूर्ति के लिए अपने उत्पादों को भारत तथा अन्य विकासशील देशों में खपाने की योजना बनाई और उसे इस कार्य में सफलता भी मिली। भारत में प्रतिदिन धूम्रपान से मरने वालों की संख्या सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मुकाबले 20 गुना है जबकि एड्स से देश में जितनी मौतें 10 वर्ष में होती हैं, उतनी मौतें धूम्रपान की वजह से मात्र एक सप्ताह में ही हो जाती हैं। करीब दस प्रतिशत व्यक्ति तो ऐसे होते हैं, जो खुद धूम्रपान नहीं करते लेकिन पैसिव स्मोकिंग के शिकार बनते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो आगामी एक-दो वर्षों तक ही धूम्रपान की वजह से 50 करोड़ से भी ज्यादा लोग मारे जा चुके होंगे और अगले 30 वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या प्रतिवर्ष 10 लाख से बढ़कर 70 लाख तक पहुंच जाएगी।

छात्र आंदोलन राष्ट्र की प्रगति के हित में हों

अमेरिका के व्हाइट हाउस के सामने इंडिया अब्रॉड टीवी चैनल को पूर्व यूजीसी अध्यक्ष एवं बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, इंदौर विश्वविद्यालय और सागर विश्वविद्यालय में कुलपति रहे प्रो. डी. पी. सिंह ने एक विशेष साक्षात्कार दिया, जिस पर आधारित है यह आलेख। उन्होंने छात्र नेतृत्व और शिक्षा सुधारों पर विचार साझा करते हुए कहा कि भारत में छात्र आंदोलनों को राष्ट्रीय हित में होना चाहिए और कॉलेज परिसरों में शांति व अनुशासन बनाए रखना चाहिए।)छात्र आंदोलन लोकतंत्र का हिस्सा होते हैं। छात्रों में ऊर्जा और जुनून होता है, जो देश के भविष्य को आकार देने में मदद कर सकता है। शर्त यह है कि ये प्रयास राष्ट्रीय एकता को ठेस न पहुंचाएं या शैक्षणिक माहौल को बाधित न करें। छात्र नेता होना और विभिन्न मुद्दों के लिए खड़ा होना है, लेकिन मूल्यों और अनुशासन के साथ। ऐसे आंदोलन जो हिंसा फैलाएं या दूसरों को नुकसान पहुंचाएं, वे सही रास्ता नहीं हैं।

हाल में देखा गया कि कुछ विश्वविद्यालयों में जो छात्र आंदोलन हुए वो रास्ता भटक गए और अकादमिक विकास की बजाय राजनीतिक झगड़ों में तब्दील हो गए। इससे शिक्षा व्यवस्था की छवि खराब होती है और सीखने का समय बर्बाद होता है। ऐसे में आंदोलनरत छात्रों को शांति से बहस और चर्चा करनी चाहिए। विश्वविद्यालयों को सीखने, शोध और राष्ट्रीय विकास के केंद्र होना चाहिए, न कि संघर्ष का स्थान।

भारत एक युवा राष्ट्र है, जिसकी छात्र आबादी बहुत बड़ी है। अगर छात्र अपनी आवाज को समझदारी से इस्तेमाल करें, तो वे समस्याएं हल करा सकते हैं और देश को आगे बढ़ा सकते हैं।राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सिर्फ एक दस्तावेज नहीं, बल्कि एक मिशन है जो शिक्षा की गुणवत्ता सुधारता है, छात्रों को कुशल बनाता है और वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार करता है। इस नीति के तहत अब छात्रों को विषयों का चुनाव, स्किल ट्रेनिंग और डिजिटल लर्निंग के विकल्प मिल रहे हैं। मल्टीपल एंट्री-एग्जिट सिस्टम से शिक्षा में लचीलापन आया है।

हमें जॉब क्रिएटर चाहिए, सिर्फ जॉब सीकर नहीं। नेप नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देती है। जहां तक मातृभाषा में शिक्षा का सवाल है तो इसमें छात्र गहराई से विषय को समझ पाते हैं और अपनी संस्कृति पर गर्व भी करते हैं। ऐसे में छात्रों को चाहिए कि वे इन परिवर्तनों का लाभ उठाएं और नकारात्मक आंदोलनों में समय बर्बाद करने की बजाय नवाचार और विकास में भाग लें। यहां यह समझ लें कि अनुशासन का मतलब चुप्पी नहीं होता। छात्र सवाल कर सकते हैं, सुझाव दे सकते हैं, यहां तक कि विरोध भी कर सकते हैं, लेकिन सम्मान और जिम्मेदारी के साथ। जान लें कि शिक्षा एक मजबूत राष्ट्र की नींव है। नारेबाजी से नहीं, बल्कि कड़ी मेहनत, गहरी सीख और सच्चाई के साथ खड़े होकर नेता बनते हैं। वतर्मान में भारत को ऐसे छात्र नेताओं की ज़रूरत है जो अपने समूह से अधिक देश की सोचें। ऐसे में विश्वविद्यालयों को भी चाहिए कि वे खुली चर्चा, नियमित मार्गदर्शन और मूल्य-आधारित शिक्षा को बढ़ावा दें। आज़ादी की लड़ाई से लेकर विज्ञान और समाज सुधार तक, छात्रों ने ईमानदारी और दूरदर्शिता के साथ देश को दिशा दी है। हमें वही जोश फिर से लाना चाहिए। छात्र ऐसे भारतीय बनें जो ज्ञान, शांति और प्रगति में विश्वास रखते हों। छात्र आंदोलन ज़रूरी हैं, लेकिन उन्हें राष्ट्रीय मूल्यों, शांति और बेहतर भविष्य की भावना से संचालित होना चाहिए। सूचित, जागरूक और सक्रिय होना अच्छा है, लेकिन इसके साथ-साथ सम्मान, विनम्रता और जिम्मेदारी भी ज़रूरी है। अब जरुरत इस बात की है कि विश्वविद्यालय नेतृत्व, राष्ट्रीय विकास और नेप पर अधिक वर्कशॉप और सत्र आयोजित करें ताकि छात्र अपनी भूमिका बेहतर समझ सकें। अंततः हमारे छात्र हमारे देश का भविष्य हैं। यदि वे सही दिशा में आगे बढ़ेंगे, तो भारत अधिक मजबूत, बुद्धिमान और एकजुट होगा। ऐसे में आइए हम सब उन्हें प्रेम, मूल्य और दृष्टि से मार्गदर्शन दें।

सुपरकंडक्टिविटी के क्षेत्र में रॉबर्ट श्राइफ़र का योगदान

जॉन रॉबर्ट श्रीफ़र, एक भौतिक विज्ञानी थे जिन्होंने सुपरकंडक्टिविटी के अग्रणी सिद्धांत को विकसित करने के लिए 1972 के नोबेल पुरस्कार में हिस्सा लिया। रॉबर्ट श्राइफ़र का जन्म 31 मई, 1931, तल्हासी, फ्लोरिडा में हुआ एक अमेरिकी भौतिक विज्ञानी और विजेता थे, जॉन बार्डीन और लियोन एन. कूपर के साथ, बिसीएस सिद्धांत सुपरकंडक्टिविटी का पहला सफल सूक्ष्म सिद्धांत विकसित करने के लिए 1972 का नोबेल पुरस्कार जीता ।श्राइफ़र ने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, कैम्ब्रिज और इलिनोइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शैंपेन में शिक्षा प्राप्त की, जहाँ उन्होंने 1957 में पीएचडी प्राप्त की। वह इलिनोइस विश्वविद्यालय में बार्डीन के अधीन काम करने वाले एक युवा स्नातक छात्र थे, जब उन्होंने यह समझाने में मदद की कि धातुएँ बहुत कम तापमान पर अपना विद्युत प्रतिरोध क्यों खो देती हैं।श्रिफ़र ने यूनिवर्सिटी ऑफ़ शिकागो (1957-59) और यूनिवर्सिटी ऑफ़ इलिनोइस (1959-62) में पढ़ाया, इससे पहले कि वे यूनिवर्सिटी ऑफ़ पेनसिल्वेनिया, फिलाडेल्फिया के संकाय में शामिल हो गए, जहाँ 1964 में उन्हें मैरी अमांडा वुड भौतिकी के प्रोफेसर के रूप में नामित किया गया। 1992 में फ़्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी में जाने से पहले श्रिफ़र कॉर्नेल यूनिवर्सिटी (1969-75) में एंड्रयू डी. व्हाइट प्रोफ़ेसर थे और यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया, सांता बारबरा (1980-91) में भौतिकी के प्रोफ़ेसर थे। उन्होंने 1964 में थ्योरी ऑफ़ सुपरकंडक्टिविटी प्रकाशित की। अपने सहकर्मियों जॉन बार्डीन और लियोन कूपर के साथ मिलकर, श्रीफ़र को क्ष्ट्स सिद्धांत विकसित करने के लिए भौतिकी में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसे अतिचालकता का पहला सफल सूक्ष्म सिद्धांत माना जाता है, जिसमें कुछ सामग्रियों की व्यावहारिक रूप से शून्य प्रतिरोध के साथ बिजली का संचालन करने की क्षमता शामिल है

अमेरिकी भौतिकविदों जॉन बार्डीन, लियोन एन. कूपर और जॉन आर. श्रीफ़र द्वारा बीसीएस सिद्धांत अतिचालक पदार्थों के व्यवहार को समझाने के लिए विकसित एक व्यापक सिद्धांत है। जब अतिचालक को पूर्ण शून्य के करीब तापमान पर ठंडा किया जाता है, तो वे अचानक विद्युत प्रवाह के प्रवाह के लिए सभी प्रतिरोध खो देते हैं। कूपर ने पाया था कि सुपरकंडक्टर में इलेक्ट्रॉन जोड़े में समूहीकृत होते हैं, जिन्हें अब कूपर जोड़े कहा जाता है, और एक एकल सुपरकंडक्टर के भीतर सभी कूपर जोड़ों की गति सहसंबद्ध होती है; वे एक ऐसी प्रणाली का निर्माण करते हैं जो एक एकल इकाई के रूप में कार्य करती है। सुपरकंडक्टर पर विद्युत वोल्टेज के अनुप्रयोग से सभी कूपर जोड़े गति करते हैं, जिससे करंट बनता है। जब वोल्टेज हटा दिया जाता है, तो करंट अनिश्चित काल तक बहता रहता है क्योंकि जोड़े किसी विरोध का सामना नहीं करते हैं। करंट को रोकने के लिए, सभी कूपर जोड़ों को एक ही समय में रोकना होगा, जो एक बहुत ही असंभव घटना है। जैसे ही एक सुपरकंडक्टर गर्म होता है, उसके कूपर जोड़े अलग-अलग इलेक्ट्रॉनों में अलग हो जाते हैं, और सामग्री सामान्य या गैर-सुपरकंडक्टिंग बन जाती है।श्रिफ़र ने याद किया कि जनवरी 1957 में वे न्यूयॉर्क शहर में एक सबवे पर थे, जब उन्हें गणितीय रूप से सुपरकंडक्टिंग इलेक्ट्रॉनों की मूल अवस्था का वर्णन करने का विचार आया। श्रिफ़र और बार्डीन के सहयोगी कूपर ने पाया था कि सुपरकंडक्टर में इलेक्ट्रॉन जोड़े में समूहीकृत होते हैं, जिन्हें अब कूपर जोड़े कहा जाता है, और यह कि एक एकल सुपरकंडक्टर के भीतर सभी कूपर जोड़ों की गतियाँ सहसंबद्ध होती हैं और फ़ोनॉन-इलेक्ट्रॉन इंटरैक्शन के कारण एक एकल इकाई के रूप में कार्य करती हैं। श्रिफ़र की गणितीय सफलता प्रत्येक व्यक्तिगत जोड़े के बजाय एक ही समय में सभी कूपर जोड़ों के व्यवहार का वर्णन करना था। इलिनोइस लौटने के अगले दिन, श्रिफ़र ने अपने समीकरण बार्डीन को दिखाए, जिन्होंने तुरंत महसूस किया कि वे समस्या का समाधान थे। सुपरकंडक्टिविटी के बी सी एस सिद्धांत (बार्डीन-कूपर-श्रिफ़र द्वारा की गई खोज), जैसा कि अब जाना जाता है, 30 से अधिक वर्षों के प्रायोगिक परिणामों के लिए जिम्मेदार था जिसने भौतिकी के कुछ महानतम सिद्धांतकारों को रोक दिया था।अतिचालकों के व्यवहार के कई अन्य पहलुओं को बी.सी.एस. सिद्धांत द्वारा समझाया गया है।

संसद के दोनों सदनों मे महासचिव पद पर असंवैधानिक नियुक्ति?

संसद की प्रशासनिक रीढ़ उसका सचिवालय और निर्वाचित प्रतिनिधि होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 98 मे स्पष्ट रूप से लोकसभा और राज्यसभा के लिए स्वतंत्र सचिवालय सेवा की स्थापना, कर्मचारियों की नियुक्ति, प्रक्रिया और प्रशासनिक स्वायत्तता सुनिश्चित करता है। यह प्रावधान संसद को कार्यपालिका से स्वतंत्र बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया था। पिछले दो दशकों से, इस संवैधानिक भावना एवं नियमों की खुली अवहेलना हो रही है। जिसके कारण संवैधानिक अधिकारों की रक्षा संभव नहीं हो पा रही है। लोकसभा और राज्यसभा के महासचिव जैसे सर्वोच्च प्रशासनिक पदों पर संविधान का उल्लंघन करते हुए अब भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) या भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारियों की नियुक्तियां इस बात का प्रमाण हैं। यह पद संसदीय सचिवालय सेवा के वरिष्ठतम अधिकारियों के लिए सुरक्षित माने जाते थे। सचिवालय के सारे अधिकार लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा में सभापति के अधीन होते हैं। अब यहपरंपरा और अधिकार एक तरह से समाप्त होता जा रहा है। यह केवल एक प्रशासनिक मुद्दा नहीं है। बल्कि लोकतंत्र के स्तंभों की स्वतंत्रता के सिद्धांत को समाप्त करते हुए, सीधे-सीधे संविधान का उल्लंघन है। पूर्व में संसद सचिवालय सेवा से जुड़े विद्वान अधिकरी जैसे सुभाष कश्यप या योगेंद्र नारायण जैसे अधिकारियों ने इन पदों की गरिमा को स्थापित किया। संविधान और सांसदों के अधिकारों की रक्षा करते हुए नियम

और कानूनों को बनाने में बेहतर योगदान दिया। जिसके कारण भारत की संसदीय परंपरा सारी दुनिया में स्थापित हुई। सारी दुनिया में संविधान और लोकतांत्रिक परंपराओं को लेकर भारत का एक विशेष स्थान बना। वर्तमान में राजनीतिक कृपा प्राप्त अधिकारियों के कारण क्षीण होती जा रही है। आईएएस या अन्य सेवाओं के अधिकारी कार्यपालिका से सीधे जुड़े होते हैं। संसद के सचिवालय में उनकी नियुक्ति सत्ता के नियंत्रण का द्वार खोल देती है। वह सत्ता में बैठे हुए लोगों के इशारे में काम करते हैं। जिसके कारण संसदीय परंपराएं एवं संविधान की मूल भावना धीरे-धीरे खत्म होती जा रही हैं। सांसदों के अधिकार सीमित होते जा रहे हैं। जिस तरह से नियम और कानून संसद में बनाए जा रहे हैं। हो-हल्ले के बीच कानूनों को पास किया जा रहा है। संसद के अधिकार सरकार के जिम्मे किये जा रहे हैं। संसदीय नियमों की अवहेलना हो रही है। बार-बार नियमों मे संशोधन हो रहे हैं। जिसके कारण संसद, सांसदों, लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति की गरिमा भी तेजी के साथ कम होती जा रही है। यह स्थिति न केवल संविधान का उल्लंघन है, बल्कि संसदीय समितियों की निष्पक्षता और उनकी स्वतंत्रता पर भी कुठाराघात है। महासचिव जैसे पद पर बैठा अधिकारी सरकार से प्रभावित है। सरकार के कहने पर वह निर्णय कर रहा है। संसद की रिपोर्टों को सरकार को लीक करता है, या रोकता है। सांसदों की टिप्पणियों को दबा रहा है। संसदीय प्रक्रियाओं को पक्षपातपूर्ण सरकार के दबाव में उनमें बदलाव कर रहा है। इससे संसद की स्वतंत्रता, संविधान के प्रति जवाबदेही, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की शक्ति को कमजोर किया जा रहा है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है, संसद के भीतर की नियुक्तियों में पारदर्शिता एवं संवैधानिक अनुशासन की पुनर्स्थापना हो। सुप्रीम कोर्ट और संसद की आंतरिक समितियों को इस गंभीर उल्लंघन पर संज्ञान लेना चाहिए। लोकतंत्र तभी जीवित रह सकता है, जब उसके स्तंभ स्वतंत्र और संवैधानिक मर्यादा के अधीन हों।

पिछले एक दशक में सरकार द्वारा बहुमत के आधार पर जिस तरह से संसद की कार्यवाही संचालित की जा रही है लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति आंख मूंदकर सरकार की बात को मानकर संसद की कार्यवाही को बहुमत के आधार पर चला रहे हैं। उसके परिणाम अब देखने को मिल रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय में सीआरपीएफ के जवानों की तैनाती हो गई है। लोकसभा और राज्यसभा के सचिवालय में कार्यपालिका के अधिकारियों कर्मचारियों की नियुक्ति की जा रही है। लोकसभा और राज्यसभा में तैनात सुरक्षा बल गृह मंत्रालय के अधीन आते हैं लोकसभा और राज्यसभा के महासचिव जैसे पद प्रशासनिक अधिकारियों के पास पहुंच गए हैं। जिनकी चाबी सरकार के पास होती है। लोकसभा और राज्यसभा के सत्र कम से कम होते चले जा रहे हैं। सरकार उन्हीं मामलों में चर्चा करती है, जिसमें वह कराना चाहती है। विपक्ष की आवाज पूरी तरह खत्म हो गई है। सांसदों को संसद के अंदर बोलने का मौका नहीं मिलता है। सांसदों को सदन के अन्दर जो बोलने की स्वतंत्रता थी, वह भी खत्म हो चली है। इसके लिए लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति जिम्मेदार हैं। जो सरकार की मंशा के अनुसार संसद की कार्यवाही को चला रहे हैं। संसद में सरकार के बिल हो हल्ले के बीच बिना चर्चा के पास हो रहे हैं। जिसके कारण अब संसद का वह महत्व नहीं रहा, जो संविधान ने उसे दिया था। लोकसभा का अध्यक्ष या राज्यसभा का सभापति सभी दलों के सांसदों के हितों की रक्षा करने वाला होता है। वह किसी राजनीतिक विचारधारा का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। पिछले कुछ सालों में लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति विपक्ष के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। उससे ऐसा प्रतीत होता है, लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति का पद भी सरकार के अधीन हो गया है।

शिविर में ग्रामीणों को योजनाओं का मिला लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के ग्राम पेण्ड्री में सुशासन तिहार 2025 के तीसरे चरण के अंतर्गत अंतिम एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का दीप प्रज्वलन के साथ हुई, दीप प्रज्वलन के पश्चात जनप्रतिनिधियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया।

शिविर में शासन की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। सभी विभागों से प्राप्त कुल 1658 आवेदनों में से 1566 का त्वरित निराकरण किया गया, जबकि शेष 76 आवेदन प्रक्रियाधीन हैं। ग्रामीणों को बताया गया कि यह शिविर न केवल जानकारी देने का माध्यम है, शिविर में सोनहरी, बाला, गरुड़डोल, पेण्ड्री, घुटरा, मटाई, सलवा, मुसरा तथा बाढी के सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया।

शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने-अपने विभाग से संबंधित चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन कैसे किया जा रहा है और आप इनका लाभ कैसे ले सकते हैं।

विकसित कृषि संकल्प अभियान रथ के माध्यम से पेंड्री में सुशासन तिहार के माध्यम से शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल तक लाने के लिए समाधान शिविर का आयोजन किया गया है। समाधान शिविर के माध्यम से लोगों की समस्याओं एवं मांगों का निराकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खेती-किसानी के कार्य को देखते हुए विकसित कृषि संकल्प अभियान के माध्यम से किसानों को जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

जिससे किसानों को कृषि कार्य से संबंधित समसामयिक वैज्ञानिक सूचना और सलाह अनुसार कृषि गतिविधियों से जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग द्वारा प्राकृतिक खाद बनाने के संबंध में बहुत अच्छी जानकारी दी गई। जिससे किसान रासायनिक खाद का कम उपयोग करने के लिए प्रेरित होंगे। समाधान शिविर का उद्देश्य सुशासन तिहार के प्रथम चरण में प्राप्त विभागीय मांगों एवं शिकायतों का त्वरित, प्रभावी एवं पारदर्शी निराकरण करना था।

समाधान शिविर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, खाद्य, स्वास्थ्य, शिक्षा, समाज कल्याण, विद्युत, वन, श्रम, पशुपालन, परिवहन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सहित विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर जनसामान्य को विभागीय जानकारी दी। शिविर में पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित किया गया। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासकीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया गया।

शिविर में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक शामिल होकर विभागीय स्टॉलों में शासकीय योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। समाधान शिविर में प्राप्त आवेदनों का निराकरण भी किया गया। शिविर में विभागीय अधिकारियों ने निराकरणों का वाचन किया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा नन्हें बच्चों का अन्नप्राशन का आयोजन किया गया। सुशासन तिहार अंतर्गत आयोजित समाधान शिविर में प्रस्तुत शिकायतों एवं मांगों के आवेदनों का निराकरण होने से ग्रामीणों के चेहरे पर खुशी और शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास देखने को मिला।

समाधान शिविर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि विभाग, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, मछली पालन, पशुधन विकास, लोक निर्माण, विद्युत विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, श्रम विभाग, खाद्य विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा निराकरण की जानकारी दी गई। सभी विभागीय अधिकारियों ने निराकरणों का वाचन किया।

शिविर में ग्रामवासियों ने बड़ी संख्या में रक्त परीक्षण, ब्लड प्रेशर, मधुमेह का परीक्षण कराया। स्वास्थ्य जांच के बाद उन्हें स्वास्थ्य विभाग की ओर से आवश्यकता अनुसार दवाईयों का वितरण किया गया। वही आयुर्वेद विभाग के स्टॉल में जनसामान्य को मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए दवाईयों का वितरण किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। जिसमें जनपद पंचायत द्वारा राशन कार्ड कमला, सुनीता, सोना, कदम कुंवर, पूर्णिमा, चैती बाई, बेचनिया बाई, कलावती, सोनमती गोंड़, फुल कुंवर, सुमरिया, मालती, रामकली, कदम कुंवर, समरिया बाई, फुलेष्वरी पार्वती चेरवा, समुहीबाई चेरवा, मीना सिंह, मेनका, मानमती, कमला बैगा, माया, राधा, पूजा सारर्थी, पुनम एवं पूजा को नवीन राशन कार्ड वितरित किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गोद भराई कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें भीनस, रानू, पुनीता, मनीषा एवं सुमित्रा को गोद भराई का लाभ दिया गया।

इस योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को पोषण और स्वास्थ्य संबंधी सहायता दी जाती है। साथ ही विभाग द्वारा श्रेया, प्रियान्सु, रेखा, ऋषभ, साधना को स्वच्छता किट वितरित की गई। रोशनी, प्रियांचल, आनंद कुमारी, स्वाती और आस्था के नाम से सुकन्या समृद्धि योजना (स्स्ड्ड) के तहत बैंक खाते खोले गए। इस अवसर पर रियान्स, सुनीता, आयुष, साराश, नितेश का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न किया गया,जिसमें बच्चों को पहली बार अन्न ग्रहण कराया गया।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा अनुजा राय, अनुज राय, बलेश्वर यादव, परदीप कुमार राय, सुनीता और केशकली को आयुष्मान भारत कार्ड प्रदान किया गया। जिसके माध्यम से वे अब निःशुल्क इलाज की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। शिविर में पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे वितरित भी किए गए।

शिविर में जिला पंचायत सदस्य उजित नारायण सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष जानकी बाई खुसरो, मण्डल अध्यक्ष धीरज मौर्य, जनपद सदस्य राम नरेश, भैया लाल, सुरतिया, भाजापा जिला अध्यक्ष चंपादेवी पावले, लखन लाल श्रीवास्तव, सुरेश श्रीवास्तव ,सरपंच शिव प्रसाद , भागवत प्रसाद, बाबूराम सिंह, नागेश्वरी, मेहंदी बाई, मानमती, राम नारायण सिंह, फूल कुंवर, हीरा सिंह, तहसीलदार सतरूपा सिंह, जनपद सीईओ वैषाली सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर स्वच्छता अभियान का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। परासगढ़ी मे महारानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर ग्राम पंचायत कठौतिया, बेल बहरा में स्वच्छता रैली एवं श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। जिला प्रशासन, पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देषानुसार, जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम एवं जनपद पंचायत सीईओ वैषाली सिंह के मार्गदर्शन में स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई।

माननीय जनपद सदस्य श्रीमती पूजा कोल ने मुख्य अतिथि के रूप में स्वच्छता ग्राहियों को सम्मानित किया, जबकि ब्लॉक समन्वयक, श्रीमती प्रभा प्यासी ने स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया।

गर्मियों में राहत : बरबसपुर में हैंडपंपों की मरम्मत से ग्रामीणों को मिली स्वच्छ जल की सुविधा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। गर्मियों में पानी की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने ग्राम पंचायत बरबसपुर में हैंडपंपों की मरम्मत का कार्य तेज़ी से पूरा किया है। इस पहल के तहत सभी खराब पड़े हैंडपंपों को दुरुस्त कर पुनः चालू किया गया, जिससे ग्रामीणों को अब स्वच्छ पेयजल की सुविधा आसानी से मिलने लगी है।

विकासखंड मनेंद्रगढ़ अंतर्गत स्थित बरबसपुर गांव में लंबे समय से जल संकट की समस्या बनी हुई थी। लेकिन विभाग द्वारा की गई त्वरित और समयबद्ध कार्रवाई के बाद अब ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना नहीं पड़ रहा है। हैंडपंपों के पुनः संचालन से गांव में जल संकट काफी हद तक कम हुआ है। गांववासियों ने विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए आभार प्रकट किया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस कार्य से न केवल उन्हें राहत मिली है, बल्कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट से निपटने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि आगामी दिनों में अन्य ग्रामीण इलाकों में भी इसी प्रकार की मरम्मत व सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा, ताकि हर गांव तक स्वच्छ जल पहुंच सके।

‘अंतिम पड़ाव में माड़ीसरई में आयोजित किया गया सुशासन तिहार 2025’

965 लोगों की समस्याओं का हुआ समाधान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के विकासखंड भरतपुर के ग्राम माड़ीसरई में सुशासन तिहार 2025 के तीसरे चरण के अंतर्गत एक दिवसीय अंतिम पड़ाव शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का दीप प्रज्वलन के साथ हुई, दीप प्रज्वलन के पश्चात जनप्रतिनिधियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया।

शिविर में शासन की विभिन्न जनहितैशी योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। सभी विभागों से प्राप्त कुल 1040 आवेदनों में से 965 का त्वरित निराकरण किया गया, जबकि शेष 75 आवेदन प्रक्रियाधीन हैं। शिविर में बड़वाही, मेंहदौली, बेला, उदकी, माड़ीसरई, हरचौका, चिड़ौला, कर्री, तथा पूंजी के सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया।

शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने अपने-अपने विभाग से संबंधित चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन कैसे किया जा रहा है और आप इनका लाभ कैसे ले सकते हैं। अधिकारियों ने ग्रामीणों को जल संरक्षण और घरेलू नल कनेक्शन की उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से पानी बचाओ की शपथ ली और जल स्रोतों के संरक्षण हेतु जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। जिसमें जनपद पंचायत द्वारा पूजा वर्मा, अनामिका यादव, कमला सिंह, कुमारी प्रियंका, मालती देवी बैगा, कल्पना तिवारी, मंगली, विमला अहिरवार, शिवाली सिंह, सीता सिंह एवं पुष्पा को नवीन राशन कार्ड वितरित किए गये।

शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह, जिला पंचायत सदस्य अनीता चौधरी, श्रीमती सुखमंती सिंह, जनपद पंचायत अध्यक्ष माया प्रताप सिंह, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष हीरा लाल मौर्य, जनपद सदस्य सुखलाल मरावी, कैलाश सिंह, सविता सिंह, भारती, राजकली बैगा, धर्मपाल सिंह, सरपंच नीलू सिंह, ललन सिंह, देव शरण सिंह, शिव प्रसाद सिंह, बेला, अंकित तिवारी, गणेश तिवारी, दिनेश मौर्य महामंत्री, मण्डल अध्यक्ष नरेश यादव, मणी पाण्डेय, पूर्व मण्डल अध्यक्ष पवन शुक्ला, दुर्गा शंकर मिश्र विधायक प्रतिनिधि, आदित्य गुप्ता एवं एसडीएम शशि शेखर मिश्रा, सीईओ अजय सिंह राठौर, नीरज कांत तिवारी तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खेत में करंट लगने से 2 किसानों की मौत

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा (एजेंसी)। सरगुजा में फसल को मवेशियों से बचाने लगाया था तार, रात में आए चपेट में आएसरगुजा के लोसगी में करंट की चपेट में आने से 2 किसानों की मौत हो गई। धान की फसल को मवेशियों से बचाने के लिए तार के जरिए करंट लगाया गया था। दोनों युवक तार से चिपक गए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घटना लखनपुर थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लोसगी के पंडरीपानी में खेत विष्णु माझी पिता (35) और नीर साय यादव (40) बीती रात रघुनाथ माझी के खेत के पास तरंगित तार की चपेट में आ गए।विष्णु मांझी मूलतः ग्राम कुन्नी निवासी जो अपने ससुराल पंडरीपानी लोसगी में रह रहा था। शुक्रवार को नीरसाय यादव के घर छप्पर सुधारने का काम करने विष्णु माझी गया था। नीर साय यादव शुक्रवार शाम 7 बजे विष्णु माझी को छोड़ने पंडरी पानी खेत के रास्ते जा रहा था।

चुल्हट नाला के पास दोनों युवक पहुंचे तो रघु मांझी के खेत में तरंगित तार की चपेट में विष्णु माझी आ गया। उसे बचाने के लिए नीर साय यादव करंट हटाने के लिए दौड़ा और अनियंत्रित होकर तरंगित तार में गिर गया। दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों का शव रातभर खेत में ही पड़ा रहा। घरवालों ने उनकी तलाश की कोशिश की, लेकिन पता नहीं चला।

ग्रामीणों ने देखा शव, पुलिस को दी सूचना

शनिवार सुबह खेत की ओर गए ग्रामीणों ने दोनों का शव पड़ा देखा और सूचना ग्रामीणों के साथ लखनपुर पुलिस को दी। एसआई दिलीप दुबे की टीम मौके पर पहुंची और शवों का पंचनामा किया।जांच अधिकारी दिलीप दुबे ने बताया कि किसान द्वारा खेत में लगे धान की फसल को बचाने के लिए चारों ओर खुले तार की बाड़ लगाई गई है। किसान द्वारा खुले तारों को सीधे बिजली के खंभे से हुकिंग कर जोड़ दिया गया था।

रीवा की खबरें

मऊगंज में मनाई गई लोकमता अहिल्याबाई की जयंती

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश के साथ-साथ मऊगंज जिले में भी लोकमाता अहिल्याबाई की 300वीं जन्म जयंती मनाई गई। जनपद पंचायत सभागार में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल ने जन्म जयंती समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक पटेल ने कहा कि लोकमाता रानी अहिल्याबाई मालवा ही नहीं पूरे भारत की श्रेष्ठ शासिका थीं। उन्होंने जन कल्याण को आदर्श मानकर होल्कर साम्राज्य के राजकाज का संचालन किया। उनका जीवन धर्म की सेवा, न्यायप्रियता और लोक मंगल के कार्यों से आदर्श जीवन बना। रानी अहिल्याबाई ने देश के सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों पर धर्मशालाओं का निर्माण कराया। काशी विश्वनाथ मंदिर सहित देश के 250 से अधिक मंदिरों का उन्होंने जीर्णोद्धार कराया। राजकाज करते हुए भी उनके हाथों में सदैव पवित्र शिवलिंग विराजमान रहते थे। रानी अहिल्याबाई ने सदियों पहले महिला सशक्तिकरण का जो उदाहरण प्रस्तुत किया वह आज भी प्रासंगिक है। उनका जीवन हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार रानी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पूरे प्रदेश में मना रही है। इसके माध्यम से वर्तमान पीढ़ी को भी रानी अहिल्याबाई के जीवन को जानने का अवसर मिल रहा है। कार्यक्रम में कलेक्टर संजय कुमार जैन तथा पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी ने भी अहिल्याबाई के जीवन और कार्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन एसडीएम मऊगंज बीके पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में लघु नाटिका के माध्यम से लोकमाता अहिल्याबाई की जीवनगाथा को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, तहसीलदार मऊगंज, स्थानीय जनप्रतिनधिगण तथा आमजन उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान में निरंतर हो रहे जल संरक्षण के कार्य

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान रीवा और मऊगंज जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पुराने जल स्रोतों की साफ-सफाई और सुधार के साथ-साथ नई जल संरचनाओं का निर्माण भी किया जा रहा है। इस संबंध में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने बताया कि अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में जल गंगा कलश यात्रा निकालकर लोगों को जल संरक्षण के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस क्रम में मऊगंज जिले के देवतालाब में जन अभियान परिषद और महिला स्वसहायता समूहों द्वारा जल कलश यात्रा और रैली निकाली गई। इसी तरह सेमरिया में ग्राम पंचायत मझगवां में भी जन अभियान परिषद तथा पंचायत पदाधिकारियों द्वारा जागरूकता रैली निकाली गई। अभियान के तहत औद्योगिक विकास केन्द्र चोरहटा में शंकर दाल मिल द्वारा गंदे पानी को साफ करने का प्लान स्थापित किया गया है। औद्योगिक इकाई में उपयोग के बाद निकले गंदे पानी को साफ करके नाले में छोड़ा जाता है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कार्यपालन यंत्री पीएचई द्वारा नलजल योजनाओं का निरीक्षण करके पाइपलाइनों में सुधार का कार्य कराया जा रहा है। इस क्रम में कार्यपालन यंत्री ने रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड के ग्राम सतगढ़ में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक में भाग लिया तथा नलजल योजना के संचालन एवं संधारण का जायजा लिया। अभियान के तहत जनपद पंचायत जवा की ग्राम पंचायत कोटवा खास में दो खेत तालाबों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। इसी तरह रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड की ग्राम पंचायत उकठा कंचनपुर में किसान मुनेन्द्र द्विवेदी द्वारा बनाए जा रहे खेत तालाब का जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा सहायक यंत्री द्वारा निरीक्षण किया गया। ग्राम बुढ़िया जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान में भी दो खेत तालाब का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

किसान फसलों में उर्वरकों का संतुलित उपयोग करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के कृषकों को सलाह दी गई है कि वह डीएपी के स्थान पर एनपीके उर्वरकों का प्रयोग करें। कृषि वैज्ञानिकों ने अपनी सलाह में कहा है कि डीएपी में केवल दो तत्व नाइट्रोजन व फास्फोरस प्राप्त होते हैं। जबकि एनपीके उर्वरक से फसलों के लिए आवश्यक सभी तीन मुख्य पोषक तत्वों नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश की उपलब्धता होती हैं। इस प्रकार एनपीके उर्वरक से नत्रजन एवं स्फुर के अलावा पौधों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व पोटाश की पूर्ति किसान भाई सफलतापूर्वक कर सकते हैं। अतः एनपीके उर्वरक का प्रयोग करने पर किसान भाईयों को अलग से पोटाश डालने की जरूरत नहीं पड़ती है व लागत में कमी आती है। उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने किसान भाईयों के लिए डीएपी के स्थान पर एनपीके खाद का उपयोग करने की सलाह दी है। उप संचालक ने कहा है कि फसलों में उर्वरकों का संतुलित उपयोग लाभदायक होता है। डीएपी के स्थान पर सिंगल सुपर फास्फेट और एनपीके का उपयोग अधिक लाभदायी है। इससे जमीन को सल्फर की प्राप्ति होती है। सिंगल सुपर फास्फेट का उपयोग खेत की तैयारी के समय किया जाता है। जिससे यह फसलों में अधिक कारगर रहता है। डीएपी में उपलब्ध 18 प्रतिशत नाइट्रोजन में से केवल 15 प्रतिशत नाइट्रोजन तथा 46 प्रतिशत फास्फोरस में से 39 प्रतिशत फास्फोरस पानी में घुलकर मिट्टी को प्राप्त होता है। शेष फास्फोरस मिट्टी में जमा हो जाता है जिससे मिट्टी कठोर हो जाती है। इसकी जल धारण क्षमता घटती है। उप संचालक ने बताया है कि आगामी फसल में शंकर धान एवं शंकर मक्का के लिए नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश एनपीके खाद का उपयोग अधिक लाभकारी होगा। दलहन एवं तिलहन फसलों में 80:40:30 एनपीके तथा सल्फर का उपयोग लाभदायी होगा। उप संचालक ने बताया है कि किसान नैनो तकनीक पर आधारित खाद का भी उपयोग कर सकते हैं। फसलों के लिए 20 प्रतिशत नाइट्रोजन से युक्त नैनो यूरिया तथा 8 प्रतिशत नाइट्रोजन एवं 16 प्रतिशत फास्फोरस से युक्त नैनो डीएपी उपलब्ध है। इनके निर्धारित मात्रा में उपयोग से फसलों को संतुलित मात्रा में पोषक तत्व प्राप्त होते हैं। सामान्य तौर पर एक स्वस्थ पौधे में नाइट्रोजन की मात्रा 1.5 से 4 प्रतिशत तक होती है। फसलों की बढ़वार की स्थिति में इनमें नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी का पत्तियों में छिड़काव करने से पौधों को कारगर तरीके से नाइट्रोजन और फास्फोरस की उपलब्धता हो जाती है। इनके उपयोग से पैदावार में वृद्धि होती है तथा मिट्टी के स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। नैनो यूरिया की 500 मिलीलीटर की बोतल 225 रुपए में तथा नैनो डीएपी की 500 मिलीलीटर की बोतल 600 रुपए में मिल रही है। इसकी कीमत एक बोरी खाद से लगभग आधी है। जबकि इसका असर एक बोरी खाद से भी अधिक है। इसलिए नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग किसानों के लिए अधिक लाभकारी है।

जम्मू-कश्मीर, गुजरात समेत 6 राज्यों में मॉक ड्रिल जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन शील्ड के तहत शनिवार को गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और जम्मू-कश्मीर में मॉक ड्रिल हो रही है। इसके लिए शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक का समय रखा गया है। इन राज्यों में पहले 29 मई को ड्रिल होने वाली थी, लेकिन स्थगित कर दी गई थी। जम्मू-कश्मीर के जम्मू, अनंतनाग, बारामूला और अन्य जिलों में मॉक ड्रिल चल रही है। जम्मू में रात 8 बजे पूरी तरह से ब्लैकआउट रहेगा। जम्मू के अखनूर में एयर स्ट्राइक की ड्रिल की गई। गुजरात में भी एयर स्ट्राइक की मॉक ड्रिल जारी है। पाटण, वलसाड में सायरन बजे। पाटण तहसील ऑफिस के कमरे में आग लगी, जहां 3 लोग फंस गए। रेस्क्यू टीम ने उन्हें बाहर निकाला। राजस्थान के जयपुर में हवाई अटैक की ड्रिल की गई। यहां अचानक ब्लास्ट होता है, हवाई फायर होता है। लोगों में भगदड़ मचती है। मौके पर तत्काल मेडिकल ऐड पहुंचाया गया और एसडीआरएफ समेत दूसरी टीमों ने मोर्चा संभाला। हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ में मॉक ड्रिल जारी है। इसके लिए शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक का टाइम रखा गया है। ब्लैक आउट के लिए रात 8 बजे से सवा 8 बजे तक का समय रखा गया है।

जस्टिस वर्मा कैश मामला, परिवार ही स्टोररूम इस्तेमाल करता था

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के तत्कालीन जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी बंगले पर अधजले नोट मिलने के मामले में नए खुलासे हुए हैं। सूत्रों के हवाले से बताया कि जिस स्टोर रूम में आग लगने के बाद जली नकदी मिली, वह जस्टिस वर्मा और उनके परिवार के कब्जे में था। जांच समिति ने बंगले के इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों, गवाहों और जांच के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है। समिति ने 50 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज किए। इनमें दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा और फायर सर्विस के प्रमुख भी थे। दोनों अफसर आग लगने के बाद सबसे पहले मौके पर पहुंचने वालों में थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि 14 मार्च, 2025 की रात करीब 11:35 बजे आग लगने के बाद स्टोर रूम से नकदी हटाई भी गई थी। अधजले नोट मिलने की खबर सामने आने के बाद उस समय के सीजेआई संजीव खन्ना ने मामले की जांच के लिए 22 मार्च को पैनल बनाया था। पैनल ने 4 मई को सीजेआई को अपनी रिपोर्ट सौंपी। इसमें जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया था। रिपोर्ट के आधार पर सीजेआई ने 'इन-हाउस प्रोसीजर' के तहत जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने की सिफारिश की थी। जांच समिति में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू, हिमाचल हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जीएस संधवालिया और कर्नाटक हाईकोर्ट की जज जस्टिस अनु शिवरामन थीं।

ऑपरेशन सिंदूर हमारी नारी शक्ति के सामर्थ्य का प्रतीक बना:प्रधानमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई राष्ट्र निर्माण में नारी शक्ति के अमूल्य योगदान का प्रतीक हैं। समाज में बड़ा परिवर्तन लाने वाली लोकमाता देवी अहिल्या को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देवी अहिल्या के प्रेरक कथन जो कुछ भी हमें मिला है वह जनता द्वारा दिया ऋण है- जिसे हमें चुकाना है का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लोकमाता अहिल्याबाई के इन्हीं मूल्यों पर चलते हुए कार्य कर रही है, नागरिक देवो भवः वर्तमान में गवर्नेंस का मंत्र है। लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती, सभी देशवासियों के लिए प्रेरणा और राष्ट्र निर्माण के लिए हो रहे भागीरथी प्रयासों में अपना योगदान देने का अवसर है। देवी अहिल्याबाई का मानना था कि जनता की सेवा और उनके जीवन में सुधार लाना ही शासन का उद्देश्य है, उनकी इस सोच को आगे बढ़ाने के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार वूमेन लेड डेवलपमेंट के विजन को विकास की धुरी बना रही है,

सरकार की हर बड़ी योजना के केंद्र में माताएं-बहने -बेटियां हैं। देश में गरीबों के लिए चार करोड़ घर बनाए जा चुके हैं और इनमें से अधिकतर घर माता -बहनों के नाम पर हैं, वे पहली बार घर की मालकिन बनी हैं। सरकार हर घर तक नल से जल पहुंचा रही है, माता-बहनों को असुविधा न हो और बेटियां पढ़ाई लिखाई में ध्यान दे सकें, इस उद्देश्य से बिजली, उज्जवला गैस भी उपलब्ध कराई गई हैं। यह सुविधाएं माता बहनों के सम्मान का विनम्र प्रयास है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के 300वीं जयंती वर्ष के अवसर पर भोपाल में जम्बूरी मैदान पर महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में लोकमाता अहिल्या बाई द्वारा सुशासन, महिला स्वावलंबन, धार्मिक स्थलों के उन्नयन के लिए संचालित गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया।

नेपाल में बारिश से बिहार की 3 नदियां उफान पर

नई दिल्ली (एजेंसी) नेपाल में बारिश से बिहार के किशनगंज जिले की नदियां उफान पर हैं। कनकई, बूढ़ी कनकई और मेची नदी का जलस्तर बढ़ गया है। नदी के किनारे बसे निचले इलाकों में घुस गया है। इससे मक्का और सब्जी की फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गई है। मानसून नॉर्थ ईस्ट राज्यों में पहुंच चुका है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम में भारी बारिश हो रही है। असम में पिछले 24 घंटों में कामरूप जिले में लैंडस्लाइड के चलते 5 लोगों की मौत हो गई। बाढ़ से 10 हजार लोग प्रभावित हुए हैं।

दिल्ली की रेखा सरकार के 100 दिन पूरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में भाजपा सरकार के 100 दिन पूरे होने पर शनिवार को दिल्ली सरकार ने विशेष कार्यक्रम 100 दिन सेवा के आयोजित किया। इसमें बॉलीवुड स्टार अनुपम खेर भी पहुंचे। उन्होंने दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता से सवाल-जवाब किए। सरकार के 100 दिन के कामों के बारे में पूछा।

जेएलएन स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में रेखा गुप्ता ने कहा- जब रामलीला मैदान से आंदोलन शुरू हुआ, तो हजारों-लाखों लोग इसमें शामिल हुए। मैं भी शामिल

हुई। सभी ने इसका समर्थन किया। वे लोग जो कहते थे कि वे सत्ता के लालची नहीं हैं, वे इतने लालची हो गए कि उन्हें सत्ता के अलावा कुछ दिखाई नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लोगों के बीच सड़कों पर काम कर रही है। मेरा मंत्रिमंडल, हमारे विधायक, सभी जनप्रतिनिधि लगातार लोगों के बीच सड़कों पर काम करते हैं। मुझे बहुत दुख होता है जब मैं उन लोगों के बारे में सोचती हूं जो मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठकर सेना पर सवाल उठाते थे। देश के दुश्मनों से हाथ मिलाते थे। अनुपम खेर के सवाल पर उन्होंने कहा- मुझे दिल्ली इसलिए पसंद है कि क्योंकि यहां सांस्कृतिक विविधता है। दिल्ली के बारे में जो सबसे अच्छी बात यहां की एकता है। यह एक लघु भारत, एक भारत, श्रेष्ठ भारत का रूप है।

थरूर बोले- कोलंबिया ने पाकिस्तान पर अपना बयान वापस लिया

जर्काता (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कोलंबिया के बोगोटा में बताया कि कोलंबिया सरकार ने पाकिस्तान के समर्थन में अपना बयान वापस ले लिया है। कोलंबियाई सरकार आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख का समर्थन करते हुए नया बयान जारी करेगी। थरूर बोगोटा में तादेओ लोजानो यूनिवर्सिटी पहुंचे थे। वहां महात्मा गांधी की प्रतिमा पर फूल चढ़ाने के बाद उन्होंने कहा- हमने कोलंबिया की उप विदेश मंत्री रोसा योलांडा विलाविसेन्सियो से मुलाकात की। उनसे बातचीत के बाद सरकार ने बयान वापस ले लिया है। वहीं रोसा योलांडा ने कहा

कि भारत की तरफ से हमें पूरी स्थिति की डिटेल जानकारी मिली है। कश्मीर में जो कुछ हुआ, वहां संघर्ष की वास्तविक स्थिति के बारे में भारत ने हमें जो कुछ भी बताया है, वह जानने के बाद हम बातचीत जारी रख सकते हैं।

सोनीपत कोर्ट में पेश नहीं हो सके अरविंद केजरीवाल

सोनीपत (एजेंसी)। यमुना नदी में जहर मिलाने के हरियाणा सरकार पर आरोप मामले में केजरीवाल की तरफ से दिल्ली का कोई भी वकील नहीं पहुंचा।

हालांकि आम आदमी पार्टी की तरफ से स्थानीय वकील पेश हुआ। हरियाणा सरकार स्टेट की तरफ से भुवेश मलिक द्वारा रिप्लाई फाइल करना था। आज रिप्लाई फाइल नहीं किया गया है और कोर्ट के सामने सरकारी वकील भुवेश द्वारा

अगली तारीख की रिक्वेस्ट की गई। जिसके चलते अगली सुनवाई 9 अक्टूबर 2025 को होगी। सीजीएम नेहा गोयल की कोर्ट में अरविंद केजरीवाल की तरफ से पिछली तारीख पर दिल्ली से आए उनके वकील के द्वारा ऑब्जेक्शन एप्लिकेशन लगाई गई थी। वकील ने कहा कि एमपी/ एमएलए के खिलाफ मामले में कोर्ट के पास शिकायत की ट्रायल करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा है कि इसके लिए स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई की जानी चाहिए।

गुरुग्राम से इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर युवती गिरफ्तार

गुरुग्राम (एजेंसी)। हरियाणा के गुरुग्राम से कोलकाता पुलिस ने एक इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर और पुणे की लॉ यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाली युवती शर्मिष्ठा पनोली को गिरफ्तार किया है। उसने ऑपरेशन सिंदूर पर बॉलीवुड एक्टर्स की चुप्पी को लेकर एक वीडियो अपलोड किया था। बोलते वक्त उसने धर्म विशेष पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी।

कोलकाता पुलिस ने शिकायत के बाद केस दर्ज कर लिया। इसके बाद युवती और उसके परिवार को नोटिस भेजे गए, लेकिन वह फरार हो गए। इसके बाद कोर्ट ने उसका अरेस्ट वारंट जारी कर दिया।

वहीं वीडियो पर युवती को धमकियां मिलने लगीं। जिसके बाद विवाद बढ़ते देख युवती ने वीडियो डिलीट कर दिया। उसने इसको लेकर माफी भी मांगी। हालांकि अब कोलकाता पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

वसुंधरा राजे बोलीं- महिलाएं राशन से शासन की जिम्मेदारी निभाने में सक्षम

जयपुर (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा आज (शनिवार) एक दिवसीय दौरे पर जयपुर आए। आरआईसी में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा- भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री के पद पर बैठाना विषय नहीं है। विषय यह है, इस विचारधारा के सिपाही को बैठाना, जो दिन-रात एक करके, उनकी टीम मोदी के नेतृत्व में राजस्थान की सेवा कर रही है। इस बात को हमको समझ लेना चाहिए। आपने अन्य सरकार भी देखी है, किस तरह वह सरकार चलाते थे आपने यह भी देखा है। आपको पता है उनकी सोच क्या थी, लेकिन मैं एक बात जरूर कहना चाहता हूं, अगर दिन और रात का अंतर हो तो रात के बाद दिन पसंद आना चाहिए।

अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती पर ईपी में हुए कार्यक्रम में जेपी नड्डा ने कहा कि हम महापुरुषों की जयंती मानते हैं, लेकिन उनको सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब हम उनके किए गए कार्यों को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करेंगे। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने कहा कि यह तो सिद्ध कर दिया कि महिलाएं हर जिम्मेदारी निभाने में पूरी तरह निपुण है

जयपुर के 2 होटल को बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के दो फेमस होटल हॉलिडे-इन और रैफल्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। हॉलिडे-इन में राजस्थान के गृह राज्यमंत्री सहित तीन मंत्री भी धमकी मिलने के दौरान मौजूद थे। वे एक निजी कार्यक्रम में भाग ले रहे थे। पुलिस अधिकारियों से जानकारी मिलने के बाद गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने होटल खाली करने का अनाउंसमेंट किया। इसके बाद तीनों होटल से निकल गए। बता दें कि शुक्रवार को 2 कोर्ट में बम ब्लास्ट की धमकी मिली थी। जयपुर के 22 गोदाम सर्किल स्थित हॉलिडे-इन होटल को शनिवार सुबह 10.30 बजे धमकी भरा मेल मिला।

इस दौरान हॉलिडे-इन होटल में एक निजी कार्यक्रम चल रहा था। इसमें राजस्थान के गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, उद्यमिता मंत्री के के विश्नोई और सहकारिता राज्य मंत्री गौतम दक मौजूद थे।

सीजेआई बोले- योगी देश के सबसे पावरफुल सीएम

प्रयागराज (एजेंसी)। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बनने के बाद जस्टिस बीआर गवई शनिवार को पहली बार प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने कहा, अभी-अभी मंत्री मेघवाल जी ने बताया कि योगी जी इस देश के सबसे पावरफुल और कर्मठ मुख्यमंत्री हैं। इलाहाबाद की भूमि पावरफुल लोगों की है। योगी जी तो पावरफुल हैं ही। सीजेआई ने इलाहाबाद हाईकोर्ट परिसर में मल्टीलेवल पार्किंग और वकील चेंबर्स का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा- इस देश के आखिरी नागरिक तक पहुंचना हमारा मौलिक कर्तव्य है। जब तक बार और बेंच साथ में काम नहीं करते, तब तक हम न्याय के रथ को आगे नहीं बढ़ा सकते। कार्यक्रम में सीएम योगी और केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी मौजूद रहे। योगी ने कहा- महाकुंभ में इलाहाबाद हाईकोर्ट की बड़ी भूमिका रही। अगर कोर्ट कुंभ के पहले अगर किसी काम में स्टे कर देता तो यह सफलतापूर्वक संपन्न न हो पाता।

माफिया मुख्तार के विधायक बेटे अब्बास की विधायकी जाएगी

मऊ (एजेंसी)। माफिया मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी को हेट स्पीच मामले में 2 साल की सजा हुई है। शनिवार को मऊ कोर्ट ने यह फैसला दिया। सजा के ऐलान के साथ ही अब्बास की विधायकी भी चली जाएगी। कोर्ट ने अब्बास के साथ ही उनके चुनाव एजेंट मंसूर को 6 महीने की सजा सुनाई है। दोनों पर 2-2 हजार का जुर्माना भी लगाया।

कोर्ट ने आज सुबह साढ़े

11 बजे दोनों को दोषी करार दिया, जबकि अब्बास के छोटे भाई उमर अंसारी को बरी कर दिया था।

हरियाणा के लिबर्टी शूज मालिक को केंद्र में जिम्मेदारी

करनाल (एजेंसी)। हरियाणा के करनाल में लिबर्टी शूज कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर शम्मी बंसल को केंद्र की मोदी सरकार में जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत फुटवियर एवं चमड़ा क्षेत्र विकास परिषद का सदस्य नियुक्त किया गया है। बंसल इससे पहले हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन में डायरेक्टर के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनका अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका समेत कई देशों में कारोबार है। शम्मी बंसल 1990 में लिबर्टी के निदेशक मंडल में शामिल

हुए और 1 जून 1995 को कंपनी के कार्यकारी निदेशक बने। उनके पास 3 दशक से अधिक का अनुभव है, खासकर गुणवत्ता नियंत्रण और चमड़े के जूते के उत्पादन में। उनके नेतृत्व में मेरा जूता हिंदुस्तानी जैसे अभियानों के जरिए स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिला और ग्राहकों के बीच भारतीय ब्रांड की पहचान मजबूत हुई। शम्मी बंसल हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन में स्वतंत्र निदेशक के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इससे पहले भी वह विभिन्न मंचों पर उद्योग विकास से जुड़ी नीतियों में भागीदारी निभा चुके हैं। विदेशों में बसे भारतीय उद्योगपतियों और लिबर्टी से जुड़े लोगों ने भी इस पर खुशी जाहिर की है। केंद्र सरकार ने जिस विश्वास के साथ यह जिम्मेदारी बंसल को सौंपी है, उससे यह स्पष्ट है कि उनकी योग्यता और अनुभव को राष्ट्रीय स्तर पर महत्व दिया गया है।

देश में कोरोना से 20 की मौत, 3207 एक्टिव केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 3207 पहुंच गई है। केरल में सबसे ज्यादा 1147 मामले हैं। महाराष्ट्र एक्टिव केसेज के मामले में दूसरे नंबर पर है। शुक्रवार को राज्य में 84 नए केस सामने आए, यहां अब 681 मरीज हैं। देश के 60 फीसदी एक्टिव केस इन्हीं दो राज्यों में हैं।

कोरोना से जान गंवाने वालों की संख्या 20 पहुंच गई है। इनमें सबसे ज्यादा 6 मौतें महाराष्ट्र में हैं। कर्नाटक के मैसूर में शुक्रवार को 63 साल के एक बुजुर्ग की मौत हो गई। राज्य में कोरोना से यह तीसरी मौत है। इसके अलावा, महाराष्ट्र, केरल, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में कुल 13 मरीजों की मौत हो चुकी है। स्वास्थ्य विभाग ने 31 मई को दिल्ली, गुजरात, पंजाब और तमिलनाडु में भी एक-एक मौत की पुष्टि की।

इस बीच कर्नाटक सरकार ने राज्य में बढ़ते कोरोना केसों को देखते हुए नया सर्कुलर जारी किया है। इसमें माता-पिता से अपील की है कि अगर बच्चों में सर्दी, खांसी, बुखार या कोविड जैसे लक्षण हों तो उन्हें स्कूल न भेजें।

मिजोरम में 7 महीने बाद कोविड का पहला केस मिला मिजोरम में 2 लोगों में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य में इस तरह का आखिरी मामला सामने आने के 7 महीने बाद कोविड के केस मिले। मिजोरम में कोविड-19 का आखिरी मामला अक्टूबर 2024 में सामने आया था, उस दौरान राज्य में 73 लोग वायरस से संक्रमित हुए थे।

सात्विक और चिराग सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में, सिंधू और प्रणय बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल टीम ने गुरुवार को सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया लेकिन पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गई। सात्विक और चिराग ने दूसरे दौर के मुकाबले में साबर कार्यमन गुटामा और मोह रेजा पहलवी इस्फहानी की सातवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए एक घंटे 14 मिनट तक में 19-21 21-16 21-19 से जीत हासिल की। अगले दौर में भारतीय जोड़ी का सामना गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन की दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी से होगा। पिछले कुछ हफ्तों से फिटनेस समस्याओं से जूझने के बाद वापसी कर रही भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू को हालांकि दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी चीन की चेन यूफेई के खिलाफ 65 मिनट चले कड़े मुकाबले में 9-21 21-18 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर खिसक चुकी सिंधू ने दूसरे गेम में अपनी पुरानी फॉर्म दिखाई।

उन्होंने 19-12 की बढ़त बनाने के बाद दूसरा गेम 21-18 से जीता। हालांकि तीसरे और निर्णायक गेम में चीन की खिलाड़ी ने अपने दमदार स्मैश और कोर्ट पर बेहतर नियंत्रण बनाते हुए मैच जीत लिया। पहले दौर में कनाडा की वेन यू झेंग के खिलाफ 21-14, 21-9 से जीत दर्ज

करने वाली सिंधू दूसरे दौर में इस लय को बरकरार रखने में नाकाम रहीं। पुरुष एकल में भी भारत को निराशा हाथ लगी जब एचएस प्रणय प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ 16-21 14-21 से हारकर बाहर हो गए।

भारत की त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को महिला युगल के दूसरे दौर में चीन की जिया यि फान और झांग शु जियान की जोड़ी से 8-21, 10-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। वहीं रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गाडे की मिश्रित युगल जोड़ी भी हारकर बाहर हो गई जिन्हें हांगकांग की टांग चुन मान और से यिंग सुएत की जोड़ी ने 31 मिनट में 21-10, 21-16 से पराजित किया।

तीन कैच टपकाने के बाद जीतना आसान नहीं-शुभमन गिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई ने रोहित शर्मा (50 गेंद में 81) और जॉनी बेयरस्टो (22 गेंद में 47) की पारियों के दम पर पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 228 रन बनाये।

जवाब में आईपीएल के इस सत्र में सर्वाधिक रन बनाने वाले साइ सुदर्शन के 49 गेंद में 80 रन के बावजूद गुजरात की टीम छह विकेट पर 208 रन ही बना सकी और टूर्नामेंट से बाहर हो गई। भारत के नये टेस्ट कप्तान गिल ने कहा,'' आखिरी तीन चार ओवर हमारे पक्ष में नहीं गए लेकिन यह अच्छा मैच था। तीन कैच टपकाने के बाद जीतना आसान नहीं होता, खासकर पावरप्ले में।'' गुजरात की फील्डिंग बहुत ही लचर रही और उसने तीन अहम कैच टपकाये जिनमें से दो रोहित के और एक सूर्यकुमार यादव (20 गेंद में 33 रन) के थे।रोहित को पावरप्ले में दो जीवनदान मिले जिसका उन्होंने भरपूर फायदा उठाया। पहले गेराल्ड कोएत्जी ने डीप में उनका कैच छोड़ा और फिर गुजरात के लिये पदार्पण करने वाले कुसल मेंडिस ने मोहम्मद सिराज की गेंद पर विकेट के पीछे कैच टपकाया। गिल ने कहा,'' गेंदबाजों के लिये नियंत्रण करना आसान नहीं होता। हमारा संदेश साफ था कि अपने हिसाब से खेलो। साइ सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर से यही कहा गया था।''

आईपीएल के क्वालीफायर 2 में मुंबई इंडियंस का रिकॉर्ड नहीं अच्छा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के पांच खिताब मुंबई इंडियंस ने जीते हैं, लेकिन एक बार भी मुंबई ने एलिमिनेटर खेलने के बाद खिताबी जीत हासिल नहीं की है। 2025 के सीजन में मुंबई इंडियंस ने एलिमिनेटर जीता है और क्वालीफायर 2 में प्रवेश किया है, लेकिन क्वालीफायर 2 में मुंबई इंडियंस का जो ट्रैक रिकॉर्ड है, वह बहुत अच्छा नहीं है। टीम एलिमिनेटर जीतकर कभी भी क्वालीफायर 2 नहीं जीती है। मुंबई इंडियंस ने अब तक चार बार क्वालीफायर 2 खेला है लेकिन आपको जानकार हैरानी होगी कि दो बार टीम इसे जीती है और दो मुकाबले हारी है। चौंकाने वाली बात ये है कि जब-जब टीम एलिमिनेटर जीतकर क्वालीफायर 2 में पहुंची है तो उसे हार ही मिली है। ऐसे में रिकॉर्ड बहुत ही ज्यादा परेशान करने वाले मुंबई इंडियंस के लिए है।

साल 2011 में प्लेऑफ्स की शुरुआत हुई थी। उसी सीजन मुंबई ने पहली बार एलिमिनेटर जीतकर क्वालीफायर 2 में प्रवेश किया था लेकिन उस दौरान टीम को हार झेलनी पड़ी। इसके बाद 2013 में भी एमआई ने क्वालीफायर 1 में चेन्नई सुपर किंग्स से हारने केबाद क्वालीफायर 2 में राजस्थान रॉयल्स को हराया था। इसके बाद 2017 में क्वालीफायर 1 में राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स से हारने के बाद केकेआर को क्वालीफायर 2 में हराया था।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा आईपीएल 2025 का फाइनल मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का खत्म होने से एक कदम दूर है। आईपीएल 2025 का कारवां अपने अंतिम ठिकाने अहमदाबाद पहुंच गया है। जहां 1 जून को मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच क्वालीफायर-2 में जगह बना ली है। इससे पहले आरसीबी ने पंजाब किंग्स को क्वालीफायर-1 में हराकर फाइनल का टिकट हासिल किया था। अब सीजन के दो आखिरी मैच क्वालीफायर-2 और फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्रमशः 1 और 3 जून को खेले जाएंगे। वहीं पंजाब किंग्स बर्सेस मुंबई इंडियंस क्वालीफायर 2 जीतने वाली टीम 3 जून को आरसीबी से फाइनल में भिड़ेगी। इस स्टेडियम में अभी तक 42 मैच खेले गए हैं। जहां पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को जीत मिली है। वहीं टारगेट का पीछा करने वाली टीमों ने भी सफलता का स्वाद चखा है। कुल मिलाकर इस स्टेडियम में जीत का प्रतिशत 50-50 है। अहमदाबाद में नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच आम तौर पर संतुलित होती है, जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों के लिए अनुकूल होती है। जबकि शुरुआती परिस्थितियां अच्छे उछाल और तेज आउटफील्ड के साथ स्ट्रोक खेलने में सहायक होती हैं, स्पिनर बीच के ओवरों में खेल में आते हैं। परंपरागत रूप से टीमें यहां लक्ष्य का पीछा करना पसंद करती है। हालांकि, 2025 के सीजन में ये प्रवृत्ति उलट गई है, जिसमें पहले बैटिंग करने वाली टीम को ज्यादा सफलता मिली है।

18 वर्षीय पूजा ने महिलाओं की हाई जम्प में जीता गोल्ड मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ कोरिया के गुमी में आयोजित एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारतीय एथलीट पूजा ने इतिहास रच दिया है। दरअसल, 18 वर्षीय पूजा ने महिलाओं की हाई जम्प में गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। पूजा ने सीजन का सर्वश्रेष्ठ 1.89 मीटर का प्रदर्शन करते हुए बेहतरीन जीत दर्ज की। उनके इस प्रयास ने उनका खुद का अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। बता दें कि, ये कारनामा करने वाली पूजा दूसरी भारतीय हैं। उनसे पहले बॉबी एलॉयसियस एशियाई चैंपियनशिप में ऊंची कूद में मेडल जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला थीं। जिन्होंने

2000 में गोल्ड और 2002 में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। 18 वर्षीय भारतीय एथलीट ने इसके बाद सीनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए 1.92 मीटर की कोशिश की, लेकिन वह चूक गई। 1.92 मीटर का मौजूदा रिकॉर्ड 2012 में सहाना कुमार ने बनाया था। इसके साथ ही पूजा के अलावा, भारत ने शुक्रवार को दो और गोल्ड मेडल जीते। इनमें गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 5000 मीटर और नंदिनी अगासरा ने हेप्टाथलॉन में जबकि पारूल चौधरी ने महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए सिल्वर मेडल जीता।

जानें कौन हैं गुलवीर सिंह? जिन्होंने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत को दिलाया पहला गोल्ड मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारतीय एथलीट्स छा गए हैं। इस कड़ी में भारत को पहला गोल्ड मेडल उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के रहने वाले गुलवीर सिंह ने दिलाया। गुलवीर ने दक्षिण कोरिया के गुमी शहर में आयोजित हो रही एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों की 10,000 मीटर रेस में 28 मिनट 38.63 सेकंड का बेहतरीन समय निकालते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। बता दें कि, ये चैंपियनशिप में भारत का पहला गोल्ड है।

अलीगढ़ जिले के सिरसा गांव में हैं, जहां गुलवीर सिंह एक साधारण किसान परिवार से आते हैं। उनके पिता पप्पू सिंह खेती करते हैं और बेटा आज देश के लिए गोल्ड लाया है। गुलवीर की सफलता देखकर परिजनों के आंखों में खुशी के आंसू थे।

गुरवीर के भाई मोनू ने बताया कि हमें सोशल मीडिया से पता चला कि भाई ने गोल्ड मेडल जीता है। जब वीडियो देखी तो यकीन ही नहीं हुआ पूरा गांव खुशी से झूम उठा है। गुलवीर की मेहनत काबिले तारीफ है। वो हर दिन सुबह 4 बजे दौड़ की शुरुआत करता था आज उसी मेहनत ने उसे इस मुकाम तक पहुंचाया है।

बजरंग पूनिया ने कोच नरेश दहिया पर 2 साल पहले लगाया था बलात्कार का आरोप, अब मांगी माफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलवान बजरंग पूनिया ने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। उस दौरान बजरंग पूनिया ने कोच नरेश दहिया की छवि धूमिल करने के लिए बिना शर्त माफी मांग ली है। दरअसल, बजरंग ने विनेश फोगाट और साक्षी मलिक के साथ मिलकर बृज भूषण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था जिसमें उन पर कई जूनियर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। बजरंग ने 10 मई 2023 को जंतर मंतर पर धरने के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि नरेशन दहिया खुद बलात्कार के आरोपी हैं इसलिए उन्हें उनके विरोध प्रदर्शन पर सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है। इसके बाद दहिया ने बजरंग को अदालत में घसीटा और मानहानि का मुकदमा दायर किया था। बजरंग को अदालत ने समन जारी किया था और उन्हें चौथी सुनवाई में जमानत भी दे दी थी। बजरंग ने 17 मई को कोच से माफी मांगी और अपने किए पर खेद भी जताया। बजरंग पूनिया ने अपने माफीनामे में कहा कि, मैं जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के समय हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कोच नरेश दहिया के खिलाफ किए गए गलत और असंवेदनशीलता बयान के लिए बिना शर्त माफी मांगता हूं। मैं कोच नरेश दहिया की छवि को हुए नुकसान और उनके खिलाफ मेरे गलत और असंवेदनशील बयान के कारण उनके प्रियजनों को हुए दर्द और पीड़ा के लिए गहरा खेद व्यक्त करता हूं। वह एक प्रतिष्ठित कोच हैं और उन्होंने देश को अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है।

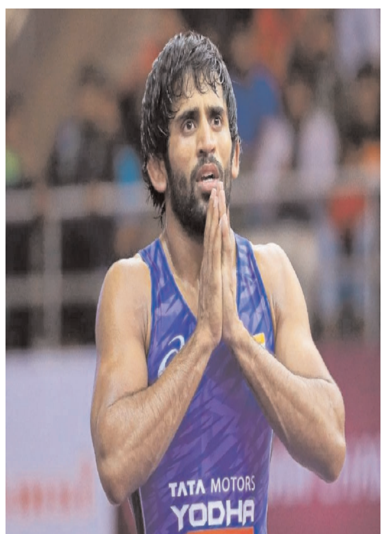

फुटबॉल खिलाड़ी जिसने क्राउन प्रिंसेज का दिल तोड़ दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन दिनों स्पेन की राजकुमारी लियोनोर और फुटबॉल खिलाड़ी पाब्लो गावी सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। कहा जा रहा है कि, शाही परिवार की खूबसूरत राजकुमार का दिल फुटबॉल खिलाड़ी ने किसी अन्य लड़की के लिए तोड़ दिया। दरअसल, प्रिंसेज लियोनोर स्पेन के किंग फिलीप वीआई और क्वीन लेटिजिया की सबसे बड़ी बेटी हैं। उनका जन्म 31 अक्टूबर 2005 में हुआ था। वह स्पेन के राजसिंहासन की उत्तराधिकारी हैं। खूबसूरत ऐसी कि सामने कोई बॉलीवुड और हॉलीवुड एक्ट्रेस भी टिके। उच्च शिक्षित। राजसी ठाट-बाट इज्जत दौलत... सब कुछ। कहा जाता है कि वह अपनी निजी जिंदगी के बारे में लोगों को बताया या जताना पसंद नहीं करती हैं। इसलिए, उनकी प्राइवेट लाइफ के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिलती है।

वहीं गावी स्पेन के स्टार फुटबॉलर हैं। उनका पूरा नाम पाब्लो मार्टिन पेज गाविरा है। वह ला लिगा क्लब बार्सिलोना और स्पेन की नेशनल टीम के लिए सेंट्रल मिडफील्डर के तौर पर खेलते हैं। 2022 में उन्होंने कोपा ट्रॉफी में गोल्डन बॉय अवॉर्ड जीता था। उनका जन्म 5 अगस्त 2004 को हुआ जिसका मतलब है कि वह

प्रिंसेज लियोनोर से एक साल बड़े हैं।

प्रिंसेज लियोनोर फीफा वर्ल्ड कप 2022 के दौरान फुटबॉलर गावी पर मर मिटीं। हुआ कुछ यूं कि स्पेन ने कोस्ट रिका को 7-0 से हरा दिया। जिसके बाद ये अफवाह उड़ी कि किंग फिलिप वीआई ने फुटबॉलर गावी से अपनी बेटी के लिए ऑटोग्राफ वाली जर्सी देने की गुजारिश की है। उसके बाद से ही लियोनोर और गावी के बीच रिलेशनशिप की अफवाहें उड़ने लगीं। अफवाहों को तब और ज्यादा हवा मिली जब स्पेन ने 2024 का यूरो कप जीता। तब राजमहल में रॉयल फैमिली ने राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को आमंत्रित किया। वहां प्रिंसेज लियोनोर और गावी के बीच कुछ देर तक बातचीत हुई दोनों ने एक दूसरे से हाथ भी मिलाया जिसकी तस्वीरें खूब चर्चा में थीं। तब सोशल मीडिया पर इन चर्चाओं ने जोर पकड़ा कि दोनों के बीच में कुछ तो है।

इंडियन आर्मी को गाली देने वाले शाहीद अफरीदी का केरल के लोगों ने किया जमकर स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद इंडियन आर्मी को गाली देने वाले शाहीद अफरीदी का केरल के लोगों ने जमकर स्वागत किया। जिसके बाद सोशल मीडिया पर केरल के उसी समुदाय की जमकर आलोचना हो रही है। पहलगाम आतंकी हमले में मासूम 26 लोगों की हत्या होने के बाद शाहीद अफरीदी ने इंडियन आर्मी को लेकर विवादस्पद बयान दिये थे। जिसके बाद भारत ने पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में देखा जा सकता है कि जैसे ही अफरीदी मंद पर पहुंचे कार्यक्रम की सांस्कृतिक प्रस्तुति को रोककर समुदाय के लोग उन्हें बूम बूम के नारों से स्वागत करते हैं। मंच पर अफरीदी ने कहा कि, मुझे भारत में खासकर केरल का हिस्सा और वहां का खाना बहुत पसंद है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि हो गया बूम बूम।

अफरीदी ने हाल ही में पाकिस्तान के टीवी चैनल समा टीवी पर बातचीत करते हुए भारत पर तंज कसा था। उन्होंने कहा था कि, भारत में अगर पटाखे भी फूटे तो

इल्जाम पाकिस्तान पर आता है। उन्होंने भारतीय सेना की भी आलोचना की थी। अफरीदी ने कहा था कि 8 लाख की फौज है कश्मीर में फिर भी ये हो गया। इसका मतलब तुम लोग नालायक हो, निकम्मे हो,सुरक्षा नहीं दे सकते लोगों को। उन्होंने भारतीय मीडिया की कवरेज को बॉलीवुड ड्रामा बताया और अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय क्रिकेटरों पर भी निशाना साधा। वहीं केरल के इस समुदाय पर सोशल मीडिया पर लोगों ने जमकर निशाना साधा है। इस दौरान किसी ने लिखा कि कितनी शर्मनाक बात है, पहलगाम हमले के बाद और भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले इस पाकिस्तानी को दुबई में मलयाली समुदाय बूम-बूम कहकर स्वागत करता है।

44 लाख के गांजे के साथ दो गिरफ्तार, ओडिशा से लाई जा रही थी खेप

293.16 किलो गांजा और कार को जब्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 293.16 किलो गांजा बरामद किया है। यह गांजा करीब 44 लाख रुपए का बताया गया। पुलिस ने इस मामले में दो शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के नाम शुभम उर्फ गोलू जायसवाल (25) और अरुण कुमार मिश्रा (50) हैं।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम अमवा नहर की पुलिया के पास एक सफेद रंग की ईको कार में दो व्यक्ति भारी मात्रा में अवैध गांजा लेकर खड़े हैं, जिसे वे बिक्री के लिए ले जा रहे थे।

सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया और एक टीम गठित कर जांच शुरू की। टीम ने ग्राम अमवा में मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंचकर कार को घेराबंदी कर पकड़ा। कार में दो व्यक्ति सवार थे, जो गांजा की तस्करी करने जा रहे थे।

पुलिस ने मौके से 293.16 किलो गांजा और कार को जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में थाना मनगवां में अपराध क्रमांक 288/2025 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8, 20बी के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई। आरोपियों से पूछताछ जारी है और उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है।

गिरफ्तार आरोपियों में शुभम उर्फ गोलू जायसवाल इटौरा बाईपास वार्ड क्र. 14 का निवासी है, जबकि अरुण कुमार मिश्रा सिरखनी के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार दोनों शातिर बदमाश हैं और इनका गांजा तस्करी का नेटवर्क पूरे क्षेत्र में फैला हुआ है। बताया गया कि ओडिशा से रीवा में गांजे की तस्करी की जा रही थी।

सात आदिवासी महिलाओं को हवाई यात्रा करने का मिला अवसर

सतना एयरपोर्ट का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल से वर्चुअली उद्घाटन किया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना एयरपोर्ट का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को भोपाल से वर्चुअली उद्घाटन किया। इस समारोह के दौरान सात आदिवासी महिलाओं को हवाई यात्रा करने का अवसर मिला। महिलाओं ने सतना से रीवा तक यात्रा की। वह पैर पड़कर विमान में बैठीं। उन्होंने ऊंचाई से शहर का नजारा देखा। पहली बार विमान में बैठने पर महिलाओं ने खुशी जाहिर की। एक महिला ने कहा हवाई चप्पल पहनने वालों को हवाई यात्रा कराने की बात सच हो गई। जिसको कभी देखा नहीं था मोदी जी ने उसमें बैठा दिया। कैमा कोठार की पूर्व जनपद सदस्य छोटी कोल ने कहा कि उन्होंने पहली बार विमान को इतने नजदीक से देखा। उनके बेटे ने एक दिन पहले उन्हें हवाई यात्रा की जानकारी दी थी।

वार्ड नंबर एक की पार्षद प्रत्याशी बूटी बाई कोल ने बताया कि सांसद का यात्रा पर जाने जब फोन नहीं आया तो यकीन नहीं हुआ। ऐसा लग रहा था जैसे आसमान में उड़ रहे हों। यह उनके लिए गौरव की बात है।

ग्राम पंचायत मगरवार की सुमित्रा कोल ने कहा कि यात्रा करके बहुत अच्छा लग रहा है। कभी नहीं सोचा था कि मैं हवाई जहाज में चढ़ूंगी। शुक्रवार को फोन के माध्यम से यह जानकारी मिली तो मेरा पूरा परिवार खुश हो गया। सब लोग मुझसे मिलने आए और तमाम लोगों ने हवाई यात्रा की बधाई दी। ऊपर से देखने पर घर छोटे-छोटे दिखाई दे रहे थे।

धवारी वार्ड नंबर 31 की भूरी कोल जो श्रमिक है, उन्होंने बताया कि मोदी जी ने कहा था कि हवाई चप्पल वालों को भी हवाई यात्रा कराऊंगा और आज यह कर दिखाया। एक दिन पहले मुझे यह बताया गया कि हवाई जहाज से यात्रा करना है।

पहले तो लगा कि कोई मजाक कर रहा है, लेकिन इसके बाद कुछ लोग घर आए और हवाई अड्डा चलने को कहा। हवाई यात्रा करने के बाद बहुत अच्छा लग रहा है। यात्रा के बाद ऐसा लग रहा है कि मैं अभी भी हवा में उड़ रही हूं।

आगजनी से अगरबत्ती की एजेंसी हुई खाक, लाखों का नुकसान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर के अमहिया मोहल्ले में संचालित विशाल अगरबत्ती की एजेंसी में बीती रात करीब 12 बजे भीषण आगजनी हो गई। जिससे 20 से 25 लाख का नुकसान हो गया। आगजनी की सूचना पर पहुंचे दमकल के वाहन ने आग पर काबू पाया। एजेंसी के संचालक विश्वनाथ गुप्ता के मुताबिक रोजाना की तरह वह एजेंसी बंद कर अपने घर चले गए थे। रात करीब साढ़े 12 बजे उन्हें सूचना मिली कि दुकान के अंदर से आग की लपटें निकल रही हैं। जब वह मौके पर पहुंचे तो आग की लपटें तेज हो चुकी थी। जिसके बाद तत्काल सूचना पुलिस को दी। पुलिस की सूचना पर मौके पर पहुंचे दमकल ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उन्होंने बताया कि यह थोक की दुकान थी जहां अगरबत्ती के अलावा अन्य सामग्री भी रखी हुई थी, सब कुछ जलकर खाक हो गया। आगजनी का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। पुलिसद्वारा मामले की जांच की जा रही है।

संजय गांधी अस्पताल में एक बार फिर मरीज की मौत पर हंगामा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के संजय गांधी अस्पताल में एक बार फिर मरीज की मौत पर हंगामा खड़ा हो गया। अस्पताल में अव्यवस्थाओं के चलते शनिवार की तड़के करीब 5 बजे उपचार कराने आई महिला की इलाज के अभाव में मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। घटना के संबंध में मृतिका विद्या देवी यादव निवासी नीम चौराहा रीवा, के बेटे जैनेंद्र यादव ने बताया कि उनकी माताजी को सांस लेने में तकलीफ थी। जिसके उपचार के लिए वह तड़के करीब 5 बजे संजय गांधी अस्पताल में लाकर भर्ती कराया था। बेटे ने बताया कि मां को डॉक्टरों ने ऑक्सीजन लगा दिया गया, इसके बाद सभी डॉक्टर लापता हो गए, उन्होंने बताया कि जब उनकी मां की मृत्यु हो गई, इसके बाद अचानक डॉक्टर की टीम पहुंची और उपचार शुरू कर दिया। बेटे ने कहा कि उनकी मां की मौत के जिम्मेदार अस्पताल के डॉक्टर हैं जिनकी लापरवाही के चलते उनकी मां की मौत हुई है। बेटे ने कहा कि, अगर सीनियर डॉक्टर समय से उपचार करते तो उसकी मां की जान बच सकती थी। परिजनों के चिकित्सकों पर कार्रवाई की मांग की है।

डांसर का हाथ पकड़ने और पैसे लुटाने वाला जन शिक्षक निलंबित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज जिले में बीते दिनों सोशल मीडिया में एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें शादी कार्यक्रम में ऑर्केस्ट्रा के स्टेज में डांसर के साथ जन शिक्षक के पद पर पदस्थ जगन्नाथ साकेत न सिर्फ जबरन डांस करने लगे, बल्कि पैसे भी लुटा रहे थे। उनकी हरकतों को देखकर कुछ लोगों ने रोकने का प्रयास किया तो मास्टर साहब भड़क गए, जिसके चलते काफी देर तक कार्यक्रम रुका रहा। उनके अश्लील डांस का वीडियो वायरल होने के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। घटना का वीडियो वायरल होने पर कलेक्टर ने संज्ञान में लिया और एसडीएम को जांच के आदेश दिए थे। जांच के बाद ऑर्केस्ट्रा में जबरन डांसर का हाथ पकड़ने तथा पैसे लुटाने के कृत्य को अशोभनीय एवं अमर्यादित मानते हुए उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बतादें कि जान शिक्षक जगन्नाथ साकेत हनुमाना जनपद के पहाड़ी संकुल में सीएसी के पद पर पदस्थ थे।

मॉर्निंगवॉक पर निकले बुजुर्ग को बैल ने किया जख्मी, हुई मौत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर में मॉर्निंगवॉक के दौरान एक आवारा बैल द्वारा 80 वर्षीय बुजुर्ग पर हमला कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल वृद्ध का को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल लाया गया था। जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के संबंध में मृतक राम सुंदर मिश्रा निवासी निराला नगर के नाती अमित मिश्रा ने बताया कि 28 मई की सुबह करीब 6 बजे उनके बब्बा घर के पास ही टहल कर रहे थे। इसी दौरान आवारा बैल ने उन पर हमला कर दिया था। हमले में पेट से आतें बाहर निकल आई थी। अमित ने बताया कि उनके बब्बा का ऑपरेशन किया गया था। लेकिन बीती शाम अचानक उनकी हालत बिगड़ी और मृत्यु हो गई। मृतक के नाती ने बब्बा की मौत का जिम्मेदार नगर निगम की अव्यवस्थाओं को ठहराया है।

रीवा जिले में बसों में यात्रियों की सुरक्षा की लगातार अनदेखी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले में बसों में यात्रियों की सुरक्षा की लगातार अनदेखी की जा रही है। जिसका खुलासा यातायात पुलिस की चेकिंग में हुआ। इस दौरान बसों में फर्स्ट ऐड खाली पड़े हुए थे और अग्निशामक यंत्र एक्सपायरी डेट के मिले। इस लापरवाही पर यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों के खिलाफ जुर्माना किया गया। बतादें कि शासन के आदेश पर यातायात पुलिस द्वारा बसों की जांच की जा रही है। बसों में यात्रियों की सुरक्षा के बिंदुओं का पता लगाया जा रहा है। जिसके तहत अग्निशामक यंत्र, फास्टेड बॉक्स, सीसीटीवी कैमरे सहित अन्य सुविधाओं की जांच की जा रही है। चेकिंग के दौरान बड़े पैमाने पर लापरवाही सामने आ रही है। यातायात थाना प्रभारी अनीमा शर्मा ने बताया कि लगातार यह अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत प्रतिदिन करीब दो दर्जन से अधिक बसों की जांच की जा रही है, जांच में बड़े पैमाने पर लापरवाही मिल रही है।

विवाद में मारपीट की शिकायत लेकर पहुंचा एसपी ऑफिस

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में जमीन विवाद में मारपीट की शिकायत स्थानीय थाने में नहीं लिखे जाने पर पीड़ित एसपी कार्यालय आवेदन लेकर पहुंचा। पीड़ित अमृत लाल विश्वकर्मा निवासी ग्राम बहुरीबांच, थाना चोरहटा ने बताया कि वह अपने स्वामित्व की भूमि पर मकान का निर्माण करा रहा था, लेकिन अभिनेन्द्र तिवारी और रीशू तिवारी निवासी ग्राम पुरैनी ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट की। उनके द्वारा मकान का निर्माण नहीं करने दिया जा रहा है और जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पीड़ित ने घटना की शिकायत चोरहटा थाने में की लेकिन उसकी शिकायत नहीं लिखी गई, जिसके बाद वह आवेदन लेकर एसपी कार्यालय पहुंचा।

लोकमाता अहिल्याबाई की 300वीं जन्म जयंती में आयोजित हुई संगोष्ठी

‘लोकमाता अहिल्याबाई का जीवन राजनीति, जनसेवा और धर्मसेवा का अद्भुत संगम था’

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जन्म जयंती के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में बड़ी संख्या में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े समाजसेवी एवं आम जनमानस उपस्थित रहे। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ आशुतोष द्विवेदी ने लोक माता के जन्म से लेकर उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। डॉ द्विवेदी ने कहा रानी अहिल्याबाई का जीवन राजनीति, जनसेवा और धर्मसेवा का अनूठा संगम था। उन्होंने अत्यंत ही साधारण परिवार में जन्म लेकर होल्कर राजवंश की बहू बनकर होल्कर साम्राज्य को संभाला। उनकी राजनैतिक कुशलता, शासन प्रबंध, न्यायप्रियता और सनातन धर्म के प्रति आस्था ने उन्हें सामान्य शासिका से लोकमाता बनाया। जीवन में विभिन्न कठिनाईयों का सामना करते हुए उन्होंने मालवा में लंबे समय तक सफलतापूर्वक शासन करते हुए अपार लोकप्रियता और लोकमाता की पद्वी पाई। उनका संपूर्ण जीवन त्याग, न्याय और आध्यात्म के लिए समर्पित रहा। लोकमाता का जीवन उनके जन्म के तीन सौ वर्ष बाद भी आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रेरणादाई है जितना की उस समय था। अहिल्याबाई का जीवन सही अर्थों में महिला सशक्तिकरण का अनुपम और अनुकरणीय उदाहरण है।

कार्यक्रम में संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय ने संगोष्ठी के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए रानी अहिल्याबाई के जीवन और महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला। सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास आशीष द्विवेदी ने संगोष्ठी में महिलाओं के कल्याण और सशक्तीकरण के लिए शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। कार्यक्रम में सीमा शर्मा ने लोकमाता के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ मुकेश एंगल ने किया। कार्यक्रम में यूथ हॉस्टल एसोसिएशन के अध्यक्ष शाहिद परवेज, प्रदीप गौतम सुमन, एनजीओ से अंजुम बेनजीर, रिएक्ट संस्था से नीलू तिवारी, रुचि द्विवेदी, स्पोर्ट्स एसोसिएशन से उमा सोंधिया, जन अभियान परिषद से अमित अवस्थी, गौ सेवा केंद्र से कुसुम सिंह, शिक्षाविद सुनीता पाण्डेय, स्मिता साहू, बीपी सिंह, प्रियंका परते, राधा गौतम, संध्या त्रिपाठी प्रभा शुक्ला, श्लेषा शुक्ला उपस्थित रहीं।

लोकमाता देवी अहिल्याबाई का जन्म त्रिशताब्दी उत्सव समारोह

पुण्यश्लोक लोकमाता देवी अहिल्याबाई का जन्म त्रिशताब्दी समारोह पूरे वर्ष भर संपूर्ण देश में मनाते हुए उसकी सम्पूर्ति स्वरूप समापन समारोह ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में महिला समन्वय संयोजिका डॉ. मीनाक्षी मिश्रा के संयोजकत्व में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉक्टर शैलबाला श्रीवास्तव प्रख्यात वरिष्ठ महिला चिकित्सक, मुख्य वक्ता की आसंदी को मानस मर्मज्ञ डॉक्टर ज्ञानवती अवस्थी जी ने सुशोभित किया। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती जी एवं पुण्यश्लोक लोकमाता देवी अहिल्याबाई की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। अतिथि सत्कार के पश्चात पेंटियम प्वाइंट महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा देवी अहिल्या जी के जीवन प्रबंधन पर आधारित मर्मस्पर्शी लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। मुख्य अतिथि डॉक्टर ज्ञानवती अवस्थी जी ने अपने उद्बोधन में देवी अहिल्या जी के जीवन के सभी प्रसंगों का स्पर्श करते हुए कहा कि अहिल्याबाई बचपन से हीअपनी शिव भक्त थीं। उनके जीवन में अनेक कष्ट आए पर वे न्यायप्रियता, और अपने प्रजा के प्रति प्रेम से रंच मात्रा भी विचलित नहीं हुईं। उनके जीवन से वर्तमान नारी शक्ति को सुशासन, न्यायप्रियता, धार्मिकता, महिला सशक्तिकरण साहस और दृढ़ता इत्यादि गुणों की प्रेरणा लेनी चाहिए। अहिल्याबाई ने अपने क्षेत्र के ही नहीं बल्कि संपूर्ण देश के धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों का संरक्षण, जीर्णोद्धार और नवनिर्माण किया। मुख्य अतिथि डॉक्टर शैलबाला श्रीवास्तव श्रीवास्तव ने गागर में सागर की सूक्ति को चरितार्थ करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि देवी अहिल्या जी के जीवन में अनेक संघर्ष और समस्याएं आई लेकिन संघर्षों और समस्याओं से से उन्होंने हार नहीं मानी बल्कि उनको उन्होंने अपनी शक्ति बनाया और दृढ़ता से सामना करते हुए विवेक एवं बुद्धि से उस पर विजय प्राप्त की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्रीमती शालिनी जी ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. श्रीमती प्रीति मिश्रा ने किया।

55 लावारिस वाहनों की होगी नीलामी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। थाना रायपुर कर्चुलियान में 55 लावारिस दो पहिया वाहन थाना परिसर में रखे हुए हैं। सभी वाहन रात्रिकालीन गश्त और चेकिंग के दौरान लावारिस रूप में पकड़े गए हैं। इस संबंध में एसडीएम रायपुर कर्चुलियान पीएस त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस एक्ट के प्रावधानों के तहत वाहनों को राजसात करके नीलामी की कार्यवाही की जा रही है। इन वाहनों के संबंध में संबंधित व्यक्ति 12 जून तक दावे-आपत्तियाँ प्रस्तुत कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री के संभावित दौरे की तैयारियों का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का 4 जून को रीवा जिले का भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री मनगवां विधानसभा क्षेत्र के गंगेव में आयोजित महिला स्वसहायता समूह के सदस्यों के सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल गंगेव स्टेडियम का भ्रमण करके दौरे के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी 4 जून को गंगेव आएंगे। महिला स्वसहायता समूह के सम्मेलन में शामिल होने के साथ मुख्यमंत्री शासन की विभिन्न योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित करेंगे। महिला सम्मेलन की तैयारियाँ तत्काल शुरू कर दें। कलेक्टर ने मंच व्यवस्था, महिलाओं के बैठने की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, वाहनों की पार्किंग, पेयजल व्यवस्था, साउंड सिस्टम और प्रकाश व्यवस्था तथा दौरे से जुड़ी अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए।

‘विश्व तंबाकू निषेध दिवस’ पर हुआ जन-जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा में जन-जागरूकता के लिए शपथ एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग तथा प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी के कुशल नेतृत्व, समाज कार्य विभागाध्यक्ष डॉ. अखिलेश शुक्ल के संयोजन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का समन्वय आई.क्यू.ए.सी. तथा चेतना फ्लैगशिप योजना के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं तथा आमजन में तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों के प्रति सामाजिक चेतना का विकास करना एवं तंबाकू मुक्त समाज की दिशा में एक ठोस पहल करना रहा।

कार्यक्रम में प्राचार्य द्वारा सभी उपस्थितजनों को तंबाकू विरोधी शपथ दिलाई गई। शपथ के बाद महाविद्यालय में संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन तथा माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर प्राचार्य ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि तंबाकू धीमा जहर है, जो धीरे-धीरे व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और सामाजिक क्षमताओं को नष्ट करता है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपने जीवन में नकारात्मक आदतों से दूरी बनाकर स्वास्थ्य, शिक्षा और सकारात्मक सोच को अपनाएँ। शिक्षा ही तंबाकू उन्मूलन का सबसे प्रभावी माध्यम है। समाज कार्य विभागाध्यक्ष ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए तंबाकू सेवन की प्रवृत्ति पर सामाजिक दृष्टिकोण से प्रकाश डाला तथा युवाओं से "तंबाकू मुक्त भारत" अभियान में सक्रिय सहभागिता की अपील की। विशिष्ट वक्ता प्रेमलाल बुनकर ने अपने संबोधन में बताया कि तंबाकू सेवन से न केवल कैंसर, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप जैसे रोग उत्पन्न होते हैं, बल्कि यह मानसिक तनाव, पारिवारिक विघटन और आर्थिक क्षरण का कारण भी बनता है। उन्होंने नशा मुक्ति की दिशा में सरकारी एवं गैर-सरकारी प्रयासों की जानकारी भी दी। विवेक शुक्ला, निखिल रावत, अमन पाण्डेय, दिनेश कुमार प्रजापति, सुरभी गुप्ता, आरती चौधरी आदि ने विचार व्यक्त किया। अन्य वक्ताओं ने युवाओं को आत्मनिरीक्षण कर जीवनशैली सुधारने एवं समाज में तंबाकू विरोधी वातावरण बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के सफल संयोजन में अर्पिता शुक्ला, रेशू त्रिपाठी, रूपाली शुक्ला, सूरज मिश्रा, गौरव सोंधिया, आलोक शुक्ला आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सीधी के मझौली बाजार में ऑटो-बाइक भिड़ंत, दो युवक घायल

पैर में फ्रैक्चर और सिर में चोट के साथ जिला अस्पताल रेफर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के मझौली थाना क्षेत्र में एक ऑटो ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार ग्राम ताला निवासी दल्लू कोल और बसंतलाल साकेत बाइक घायल हो गए। घटना शनिवार शाम 4 बजे की है। घायल युवक बाइक से मझौली बाजार जा रहे थे। इस दौरान सामने से आ रहे ऑटो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। दोनों युवक सड़क पर गिर गए। उनके पैर में फ्रैक्चर हुआ और सिर में चोटें आईं।

स्थानीय लोगों ने मझौली थाना प्रभारी अतर सिंह को सूचना दी। थाना प्रभारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घायलों को तत्काल मझौली अस्पताल पहुंचाया गया।

डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल सीधी रेफर किया। पुलिस ने ऑटो ड्राइवर को हिरासत में लिया है। वाहन को जब्त कर लिया गया है। मामले में कानूनी कार्रवाई जारी है।

नईगढ़ी में मारुति वैन और बाइक की टक्कर में युवक गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज जिले में शनिवार को एक सड़क दुर्घटना में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा नईगढ़ी थाना क्षेत्र के सेनुआ फुल मार्ग पर जोरौट गांव के पास हुआ। घटना में जोरौट निवासी दिलीप कुमार कोल (25) की बाइक को एक तेज रफ्तार मारुति वैन ने टक्कर मार दी। वैन चालक विपरीत दिशा से आ रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दिलीप सड़क से दूर जा गिरे।

स्थानीय लोगों की मदद से घायल दिलीप को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नईगढ़ी ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति में सुधार न होने पर चिकित्सकों ने उन्हें संजय गांधी अस्पताल रीवा रेफर कर दिया।

मनगवां विधायक ने क्षेत्रवासियों से सीएम के कार्यक्रम में पहुंचने का किया आग्रह

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मनगवां विधायक नरेन्द्र प्रजापति ने बतलाया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आगमन 04 जून को विधानसभा मनगवां के गंगेव स्टेडियम में 2 बजे अपरान्ह होने जा रहा है। साथ में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला, पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री-प्रह्लाद सिंह पटेल, रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्षा नीता कोल, भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, सभी वर्तमान विधायक गण, सभी पूर्व विधायक गण, पार्टी के विधानसभा मनगवां के सभी पांचों मंडल अध्यक्ष,मातृशक्तियां, सभी भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सहित समस्त जनता-जनार्दन की उपस्थिति रहेगी। विधायक नरेन्द्र प्रजापति ने सभी सम्मानीय जनता-जनार्दन से स्टेडियम में पधारने का करबद्ध विनम्र आग्रह किया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।